Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 58 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 02 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

शंघाई सहयोग संगठन समिटः 20 से ज्यादा निर्णयों को मंजूरी

■ **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, विकास तथा आपसी सहयोग को लेकर भारत का दृष्टिकोण सामने रखा**

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 26वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, संपर्क, विकास तथा आपसी सहयोग को लेकर भारत का दृष्टिकोण सामने रखा। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बताया कि बिश्केक घोषणापत्र के अलावा चार समझौता ज्ञापनों और बीस से अधिक फैसलों और बयानों को भी अपनाया गया। जॉर्ज ने बताया कि इनमें जलवायु परिवर्तन, परमाणु सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण और नशीले पदार्थों की लत से मुकाबला जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। भारत ने कई महत्वपूर्ण पहलों का नेतृत्व किया और उनका समर्थन किया, जिन्हें बिश्केक घोषणा-पत्र में स्थान मिला। इनमें एससीओ चार्टर में अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल करना, सभ्यता संवाद मंच, युवा वैज्ञानिक मंच और युवा लेखक सम्मेलन जैसी पहलें शामिल हैं।

मंगलवार को समिट के बाद सिबी जॉर्ज ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 26वीं बैठक में भाग लिया। इस साल एससीओ की 25वीं वर्षगांठ है। इस मौके पर नेताओं ने अब तक हुई प्रगति का जायजा लिया और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने में एससीओ की भूमिका को और मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। सिबी जॉर्ज ने पीएम मोदी के संबोधन की प्रमुख बातों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव को गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए धन्यवाद देते हुए की। उन्होंने कहा कि एससीओ की 25वीं वर्षगांठ अगले 25 वर्षों की दिशा तय करने का उपयुक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि संगठन ने पिछले ढाई दशकों में संवाद और सहयोग की मजबूत परंपरा विकसित की है और अब इसे ठोस परिणामों में बदलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने पिछले एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत द्वारा रखे गए 'सुरक्षा, संपर्क और अवसर' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इन तीनों क्षेत्रों में ठोस परिणाम हासिल करने के लिए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने संघर्षों के समाधान को लेकर भारत का स्पष्ट रुख दोहराते हुए कहा कि युद्ध के मैदान में संघर्षों का समाधान नहीं हो सकता और संवाद एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है।

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा बताते हुए इसके पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। पीएम मोदी ने यूरेशिया क्षेत्र की सुरक्षा और अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता के बीच गहरे संबंध का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की स्थिरता पूरे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगाएगा नई छलांग

■ **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से नवा रायपुर में खुलेगा प्रतिष्ठित NMIMS**

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा, कौशल और ज्ञान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (NMIMS) अब नवा रायपुर अटल नगर में अपना कैंपस स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज संस्थान की स्थापना के लिए लीज अनुबंध की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भूमि की रजिस्ट्री भी पूर्ण कर ली गई। इसके साथ ही नवा रायपुर में NMIMS की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक उच्च शिक्षा के लिए बड़े महानगरों की ओर न जाना पड़े तथा उन्हें अपने ही प्रदेश में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के समान अवसर मिलें, इस दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। NMIMS की स्थापना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की युवा शक्ति को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, आवास एवं पर्यावरण सचिव श्री अंकित आनंद तथा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चंदन कुमार उपस्थित थे।

40 एकड़ में विकसित होगा अत्याधुनिक कैंपस

नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-18 में लगभग 40 एकड़ भूमि पर NMIMS का आधुनिक कैंपस विकसित किया जाएगा। संस्थान का संचालन करने वाले श्री विले पार्ले केलवणी मंडल (SVKM) को यह भूमि 90 वर्षों की लीज पर प्रदान की गई है। राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 21 जनवरी 2026 को संस्थान के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी।

चार रेलगाड़ियों का नेपालगंज रोड तक किया विस्तार

■ **सीमावर्ती इलाकों में विकास को बढ़ावा मिलेगा**

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, डुमरियागंज के सांसद श्री जगदंबिका पाल, बहराइच के सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ नेपालगंज रोड-नानपारा-बहराइच रेल खंड के आमान परिवर्तन और विद्युतीकरण का उद्घाटन किया। लगभग 730 करोड़ रुपये की लागत से 56.15 किलोमीटर लंबे इस खंड को ब्रॉड गेज में बदला गया और इसका विद्युतीकरण किया गया। चार मौजूदा रेलगाड़ियों की सेवाओं को भी नेपालगंज रोड तक बढ़ाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत नेपाल में हाल ही में आई बाढ़ के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसमें कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखा।

पड़ोसी देश नेपाल की परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए, केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं। उन्होंने नेपाल में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारत सरकार सहायता के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। श्री वैष्णव ने बताया कि प्रभावित इलाकों से बचाकर भारत लाए जा रहे यात्रियों के लिए रेलवे भी व्यवस्थाएं कर रहा है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने समिति बैठक में उठाया खेलों के विकास और खिलाड़ियों के भविष्य का मुद्दा

■ **खेल प्रतिभाओं को तराशने CSR फंड का 50% खेल अधोसंरचना पर खर्च होः बृजमोहन अग्रवाल**

अहमदाबाद (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के गुजरात अध्ययन दौरे पर अहमदाबाद में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

बैठक के पहले सत्र में समिति सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ समेत देशभर में खेल अधोसंरचना के विकास और प्रतिभावान खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहमदाबाद में भारत वर्ष 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी और 2036 के ओलंपिक आयोजन की दावेदारी की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें सुरक्षित भविष्य देना बेहद जरूरी है।

CSR फंड का खेल अधोसंरचना में न्यायसंगत उपयोग श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सुझाव दिया कि, सार्वजनिक उपक्रमों (PSUs) और लीड बैंकों को अपने CSR फंड का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा खेल अधोसंरचना के विकास में लगाने पर विचार करना चाहिए। CSR की राशि का उपयोग केवल संबंधित संस्थानों के कार्यक्षेत्र तक सीमित न रहकर देश के उन क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए, जहां खेल प्रतिभाएं तो हैं, लेकिन संसाधनों और सुविधाओं का अभाव है। यदि छत्तीसगढ़ के आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण केंद्र और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, तो यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का नाम और अधिक रोशन कर सकती हैं।

सीजी पीएससी घोटाला: तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आरती को मिली जमानत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के कथित घोटाले से जुड़े मामले में तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने 1 सितंबर को उन्हें नियमित जमानत देने का आदेश दिया है। आरती वासनिक के साथ तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर को भी नियमित जमानत दी गई है। मामले की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने की।तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी सुरेश और एडवोकेट हर्षवर्धन परगनिहा ने पक्ष रखा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरती वासनिक की ओर से बताया गया कि वह एक साल से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में जांच एजेंसी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। वहीं, मुकदमे में 100 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए जाने हैं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि मुकदमे में देरी आरोपी की वजह से नहीं हो रही है, बल्कि अभियोजन की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण सुनवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। सुप्रीम कोर्ट में दलील दी गई कि CBI ने आरती वासनिक पर मामले में किसी प्रत्यक्ष भूमिका का आरोप नहीं लगाया है। वहीं, कथित तौर पर मामले से लाभान्वित अभ्यर्थियों की नियुक्तियों पर भी फिलहाल रोक लगी हुई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरती वासनिक और ललित गनवीर को नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी एफआईआर रद्द की

■ **कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का मार्च वापस लिया**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया है। यह आदेश देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज मामलों पर लागू होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जिन प्रदर्शनकारियों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन पर केस चलता रहेगा। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर के मार्च को वापस ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से रद्द की गईं एफआईआर जंतर-मंतर पर 20 से 25 जुलाई के बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस की झड़प के कारण दर्ज की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर रद्द करने का फैसला सिर्फ इसी मामले के खास तथ्यों और हालात को देखकर लिया गया है, इसलिए इसे दूसरे मामलों के लिए उदाहरण और बाध्यकारी फैसला नहीं माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के तहत मिली अपनी विशेष शक्ति का इस्तेमाल इस शर्त पर किया जा रहा है कि दोनों पक्ष कोर्ट के सामने हुए समझौते का पूरी तरह पालन करेंगे।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट रूम में सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास भी मौजूद थे। वे बेंच के सामने पेश हुए और ग्रुप की तरफसे एक बयान पढ़ा- मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार के भरोसे पर आज लगी अदालती मुहर और ऑर्डर को देखते हुए हम 5 सितंबर का मार्च वापस ले रहे हैं।

ममता बनर्जी की भतीजी फंदे से लटकी मिलीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भतीजी ब्रिष्टी मुखर्जी मंगलवार को बीरभूम जिले के कुसुंबा गांव के घर में फंदे से लटकी मिलीं। ब्रिष्टि, ममता के चचेरे भाई और तृणमूल नेता निहार मुखर्जी की बेटी थीं। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि उन्होंने सुसाइड किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिष्टि बोलपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थीं। शिक्षक भर्ती घोटाला सामने आने के बाद 2024 में उनकी जॉब चली गई थी। इसके बाद से ही वे डिप्रेशन में थीं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2024 को अवैध रूप से प्राप्त सभी 25,753 नौकरियां रद्द कर दी थीं। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया था कि जो लोग लंबे समय से अवैध तरीके से काम कर रहे हैं, उन्हें ब्याज समेत सैलरी लौटानी होगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में स्टेट लेवल सिलेक्शन टेस्ट-2016 के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती की थी।

बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान, 'नन्हे प्रेरक' कार्यक्रम की बनी विकास योजना

रायपुर (विश्व परिवार)। शहर के नन्हे हाथों को अब रायपुर की तस्वीर बदलने और संवारने का बड़ा मंच मिलेगा। सोमवार को नगर निगम रायपुर में 'नन्हे प्रेरक' पहल पर विशेष बैठक आयोजित की गई।जिला कलेक्टर रायपुर डॉ गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन, नगर निगम कमिश्नर संबित मिश्रा, नगर निगम उपायुक्त डॉ अंजली शर्मा,और डीएमसी अरुण शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों नवाचारी शिक्षकों के साथ मंथन सत्र सम्पन्न हुआ।

बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों को 'सिविक हीरो' के रूप में सशक्त कर शहर के विकास में सीधा भागीदार बनाना है। रायपुर को स्वच्छ, हरा-भरा और प्रदूषण और प्लास्टिक मुक्त बनाने पर व्यापक चर्चा हुई। शिक्षकों ने मैदानी अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिससे ठोस विकास योजनाओं का खाका तैयार किया गया।

कार्ययोजना के तहत बच्चों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर बदलाव का दूत बनाया जाएगा। स्कूली बच्चों को व्यावहारिक जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जिससे शहर का कायाकल्प होने के साथ ही बच्चों में नेतृत्व क्षमता और नागरिक चेतना का विकास होगा। इस अवसर पर जिला कार्डिनेटर डॉ कामिनी बावनकर ,आरंग से नवाचारी शिक्षक महेन्द्र पटेल एवं अरविंद वैष्णव भी शामिल हुए और नगर को बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए, जिसकी नगर निगम कमिश्नर ने सराहना की।

विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना प्राथमिकता : राज्यपाल

■ **विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की बैठक**

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश के विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की संख्या, रिक्त पदों की पूर्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन तथा नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में सीटों के अनुपात में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में जहां भी व्यवस्थागत कमियां हैं, उन्हें दूर किया जाए तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

'विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए'

राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियमानुसार स्थानीय योग्य एवं प्रतिभाशाली लोगों को प्राथमिकता देने के प्रयास किए जाएं, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर मिल सके। श्री डेका ने विश्वविद्यालयों की नैक एवं एनआईआरएफ रैंकिंग की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपनी रैंकिंग में सुधार के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करें।

'विकसित भारत' संकल्प अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ा'

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को अपने आसपास के गांवों को गोद लेकर वहां इनोवेशन एवं स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में उपलब्ध ज्ञान, विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचना चाहिए। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार एवं उद्यमिता से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' संकल्प अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के पीए चंद्रवंशी के घर प्रवर्तन निदेशालय की दबिश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निजी सहायक रहे के.के. चंद्रवंशी के पुरानी भिलाई स्थित आवास पर मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दबिश दी। जानकारी के मुताबिक करीब आठ अधिकारियों की टीम दो वाहनों में सवार होकर तड़के उनके घर पहुंची। इसके बाद अधिकारियों ने आवास के अंदर प्रवेश कर दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की जांच शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के पहुंचने के बाद घर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। जांच के दौरान सुरक्षा के लिए जवानों को भी तैनात किया गया है। टीम द्वारा आवास में मौजूद दस्तावेजों और अन्य सामग्री की बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय की ओर से आधिकारिक रूप से यह जानकारी सामने नहीं आई है कि के.के. चंद्रवंशी के आवास पर की गई कार्रवाई किस मामले से जुड़ी है। जांच के दौरान किन दस्तावेजों या अन्य सामग्री की पड़ताल की जा रही है, इसकी भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निजी सहायक रहे के.के. चंद्रवंशी के घर पर प्रवर्तन निदेशालय की दबिश के बाद प्रदेश का राजनीतिक माहौल गरमाने के आसार हैं। हालांकि कार्रवाई के वास्तविक कारण और जांच के दायरे की स्थिति प्रवर्तन निदेशालय की आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी। फिलहाल टीम आवास पर मौजूद है और जांच जारी है।

अन्ना हजारे अस्पताल में भर्ती, सीएम ने की मुलाकात

मुंबई। समाजसेवी अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ने पर मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अस्पताल पहुंचकर अन्ना हजारे से मुलाकात की और उनका हाल जाना। सीएम फडणवीस ने अन्ना हजारे के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनसे कहा कि अन्ना, आप शतायु हों।' इस दौरान महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन भी मौजूद रहे। अस्पताल में मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अन्ना हजारे को कैबिनेट के एक अहम फैसले की जानकारी दी।

10 लाख बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे सरकार : कांग्रेस

रायपुर। सरकार ने अभी तक आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए किट नहीं खरीदा है, जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई खेलकूद गतिविधि रूकी हुई है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगभग 52 हजार आंगनबाड़ी केंद्र हैं। इन केंद्रों पर प्रदेश के लाखों छोटे बच्चे प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और बाल विकास की गतिविधियों से जुड़ते हैं। लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए जरूरी प्री-स्कूल किट की खरीदी और टेंडर प्रक्रिया तक अटकी हुई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रखरखाव कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्याः टीआरडी-आर-2026-E07, दिनांकः 31.08.2026. कार्य का नामः रायपुर मंडल के पावर सप्लाई इंस्टॉलेशन (PSI) की अनुरक्षण गतिविधियों का 2 वर्षो के लिए आउटसोर्सिंग। **निविदा मूल्यः** ₹ 6,90,09,596.20. **बिड सिक्युरिटीः** ₹ 13,80,200/-.

निविदा जमा करने की तिथिः 30.09.2026 के 12.00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथिः 30.09.2026 के 12.00 बजे।

विस्तृत जानकारी, निविदा दस्तावेज की खरीदी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु कृपया **वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर** के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजी.(क.वि.)/ रायपुर

PR/R/TRD/PCN/199

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35007/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35007
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.– **RPR109B00748** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SANJU JANDHAL, SUDESH JANGHEEL DINESH JANGHEEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK JANDHALE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री संदेश जंघेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री अशोक कुमार जंघेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35005/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35005
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.– **RPR235G00158** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SADHANA BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARISH BAJAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रमादेवी खंडेलवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री सुरेश चंद्र खंडेलवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35003/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35003
वार्ड का नाम- 27- इंदिर गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.– **RPR220J00260** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS RITU MANCHANDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH MANCHANDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री राजेश मनचंदा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री कारामल मनचंदा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35004/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35004
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.– **RPR235D0491A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AJAY KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. BRAMHNAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री हर्षित लालवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री अजय लालवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35006/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35006
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.–**RPR111B00131** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHRI SHANKAR PIJANI PANDH RAJ DAS SHRI JITENDRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JHADUMAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मुकेश यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री रामचंद्र यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34847 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34847
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652I00314** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL LAND NEETU SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANIK RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DURGA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NOHAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **सहमति पत्र के आधार पर** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34875/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34875
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **55** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651D0542A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUMARI DEVI VAISHNAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. ARUN KUMAR VAISHNAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TARACHAND SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TIJRAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34877/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34877
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J00017** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ KUMAR MATI, GAYATRI NAYAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **K.C. MATI MANOJ KUMAR MATI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NITESH KUMAR CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVENDRA KUMAR CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34878/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34878
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M0947D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRABHAT KUMAR SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DURGA CHARAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAVITA DEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAKESH DEV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34899/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34899
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P0005C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HASAN IMAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MARHUM MAHBOOB ALAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHUMIKA KUKREJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TIKAM CHAND KUKREJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34901/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34901
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P00444** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **FABIAN KHES** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JOSEPH KHES** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAKESH KUAMR YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LALLU NARAYAN YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34902/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34902
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P0192A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHAVNA ROHIDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOJ ROHIDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KUMAR WADHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAGHURAJ WADHWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34940/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34940
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00860** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAA SHARDA BUILCON PARTNER BY POA- MAHESH DHANGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DOMURAM DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHARAVAN SINHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DESH KUMAR SINHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB
कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत परसुलीडीह, रायपुर** में स्थित भवन **क्रमांक एल.आई.जी.-71, श्री उमेद सिंह पिताः-श्री पोहकरमल सिंह** के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का लीज़डीड **दिनांक** 17.11.2011 को पंजीकृत कराने उपरान्त इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 12160 **दिनांक** 26.10.2015 को अपने नाम पर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है।

आबंटी **श्री उमेद सिंह पिताः-श्री पोहकरमल सिंह, निवासी-108, लोहरू, पटवन भिवानी, हरियाणा** के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती **राधा देवी झा पतिः-श्री कृष्ण कुमार झा, निवासी-मकान नं. 589, सेक्टर 04, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, सड्डू, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर विक्रय अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./34934/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34934
वार्ड का नाम- 58 श. पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.–**RPR447A00308** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GOVT. NAZUL LAND MANOJ KUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVESH CHAND SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMIT NAYAK** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O CHANDRA BHANU NAYAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा & शपथ पत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34969/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34969
वार्ड का नाम-37 - शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **37** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR516C00217** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SULOCHANA DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAGHUNATH PRASAD SONI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AJAY SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE RAGHUNATH PRASAD SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./9409/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9409
वार्ड का नाम- 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR803H00256** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **श्रीमती कुमारी कौशिल्या साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - संजय कुमार साहू** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **YUVRAJ SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PURUSHOTAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

समक्ष श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी तहसील-छुरा जिला गरियाबंद (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं मो. युसुफशेख पिता मो. शब्बीर शेख जाति लुहार (मुसलमान) निवासी राजा पारा वार्ड नं. 11 छुरा, पोस्ट छुरा तहसील छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. एतद्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूं, और निम्नलिखित घोषित करता हूं।

1. यह कि मो. युसुफशेख पिता मो. शब्बीर शेख जाति लुहार (मुसलमान) निवासी राजा पारा वार्ड नं. 11 छुरा, पोस्ट छुरा तहसील छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. का स्थायी निवासी हूं।

2 'यह कि मैं अपना (पुराना नाम) **मोहामद युसुफ शेख से बदलकर (नया नाम)मो. युसुफ शेख** करवाना चाहता हूं।

3. यह कि मैं अपना नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी का करता हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

4 यह कि 'मेरी पत्नि आशिया बेगम को मेरे के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

5/ यह कि शपथ पत्र अपने पूरे होश हवासों मे रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्ष्म प्राधिकारी में समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

दिनांक :-आवेदक

मुहर — **आवेदक**

समक्ष श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी तहसील-छुरा जिला गरियाबंद (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं मो. युसुफशेख पिता मो. शब्बीर शेख जाति लुहार (मुसलमान) निवासी राजा पारा वार्ड नं. 11 छुरा, पोस्ट छुरा तहसील छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. एतद्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूं, और निम्नलिखित घोषित करता हूं।

1/ यह कि मो. युसुफशेख पिता मो. शब्बीर शेख जाति लुहार (मुसलमान) निवासी राजा पारा वार्ड नं. 11 छुरा, पोस्ट छुरा तहसील छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. का स्थायी निवासी हूं।

2 **यह कि मैं अपनी नाबालिक पुत्र का (पुराना नाम) अरशद शेख से बदलकर नया नाम) मो. अरशद शेख करवाना चाहता हूं।**

3 यह कि मैं अपनी पुत्र का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी का करता हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

4 यह कि मेरी पत्नि आशिया बेगम हमारे नाबालिक पुत्र के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

5 यह कि शपथ पत्र अपने पूरे होश हवासों मे रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्ष्म प्राधिकारी में समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

आवेदक

मुहर

CGHIDB
कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01,
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **पं.दीनदयाल उपाध्याय नगर कालोनी, रायपुर** में निर्मित एल.आई.जी योजना के अंतर्गत, भवनों में से **भवन क्रमांक- एल.आई.जी.-II/43 सेक्टर 04 में श्री ए.एम. खान पिता स्व. श्री एम. ए. एस. खान** को भाड़ाक्रय / स्ववित्तीय आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक** 27.07.2006 को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है।

मूल आबंटी की मृत्यु **दिनांक 07.11.2014** व उनकी पत्नी **श्रीमती नुरून्निसा बेगम** की मृत्यु **दिनांक 01.09.1991** हो जाने के कारण उनके वारिस **श्री जिया मुसव्विर खान पिता श्री स्व.ए.एम.खान (अब्दुल मुसव्विर खान)** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र / सहमति पत्र (**1. डॉ. श्रीमती जकिया तसनीन खान पति स्व. इफ्तेखार खान 2. एजाज परवेज खान 3. डॉ. कु. सबीहा यासनीन खान दोंनो के पिता श्री स्व.ए.एम.खान**) एवं अन्य दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री जिया मुसव्विर खान पिता श्री स्व.ए.एम.खान (अब्दुल मुसव्विर खान) के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त दुकान के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

CGHIDB
कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा **कॉलोनी पुरेना, जिला-रायपुर** में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत **पुरेना जिला रायपुर में ई.डब्ल्यु. एस. फ्लैट क्रमांक 02, ब्लॉक-07 भूतल, श्रीमति सुनैना सिंह पति श्री धनजंय सिंह,** के नाम पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2026 **दिनांक** 13.03.2009 को आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट का लीजडीड **दिनांक** 28.11.2011 को निष्पादित करा इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक** 965 **दिनांक** 05.03.2013 को आधिपत्य आदेश प्राप्त किया गया है। वर्तमान में आबंटी **श्रीमति सुनैना सिंह पति श्री धनजंय सिंह, पता सन्यासी पार खमतराई रायपुर जिला- रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमति बिंदु देवी पति श्री धर्मेन्द्र यादव पता - भोजपुर चंदौली उत्तरप्रदेश** के नाम पर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट क्रेता श्रीमति **बिंदु देवी पति श्री धर्मेन्द्र यादव पता भोजपुर चंदौली उत्तरप्रदेश** के नाम पर विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त फ्लैट को विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34952/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34952
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J00726** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUSHILA SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VINOD SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री भूपेन्द्र घृतलहरे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री रजन लाल घृतलहरे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./34951/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34951
वार्ड का नाम- 43 ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.– **RPR758A00013** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MIHILAL TAMRKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शिव कुमार ताम्रकार** पिता/पति श्री/श्रीमती **स्व. मिही लाल ताम्रकार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्तिकर व अन्य दस्तावेज** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, बुधवार 02 सितंबर 2026

आदिम जाति सहकारी समिति जयनगर के निलंबित प्रबंधक श्यामलाल प्रजापति ने बुजुर्ग किसान से धोखाधड़ी कर उड़ाया 98000रु!

किसान क्रेडिट कार्ड से उड़ाया गया 98 हजार रु , एसडीएम से कार्रवाई की मांग

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिले के सूरजपुर विकासखंड अंतर्गत जयनगर क्षेत्र में एक 65 वर्षीय ग्रामीण के नाम पर किसान क्रेडिट कार्ड से 98 हजार रु की राशि निकाल लिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मामले में ग्राम कुरुवां निवासी बाबूलाल पिता स्व. गौटू ने सूरजपुर एसडीएम के समक्ष 1 सितंबर 2026 को लिखित शिकायत प्रस्तुत कर जयनगर स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित के पूर्व मंडी प्रबंधक श्यामलाल प्रजापति पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है।

शिकायत के अनुसार बाबूलाल एक अशिक्षित एवं ग्रामीण बुजुर्ग व्यक्ति हैं और केवल अपना नाम लिखना जानते हैं। वहीं श्यामलाल प्रजापति पूर्व में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शाखा जयनगर में मंडी प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। आरोप है कि इसी दौरान बाबूलाल की अशिक्षा और उम्र का फायदा उठाकर उनके नाम से किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए ऋण राशि निकाली गई।

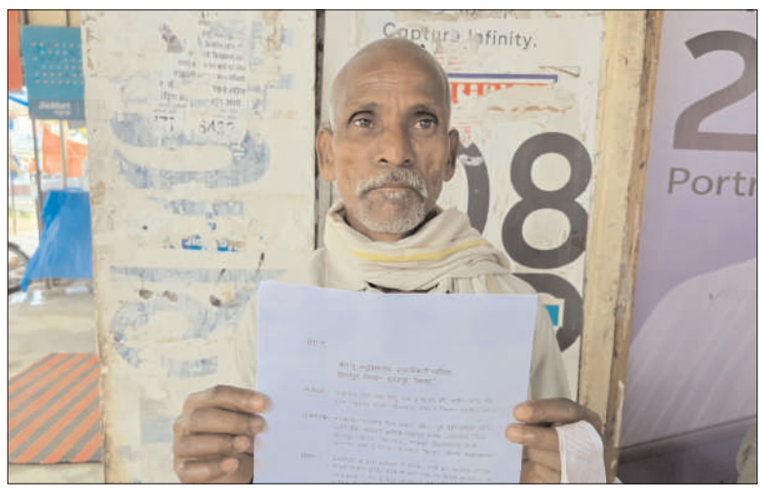

'तुम्हारे नाम से लोन निकलवा देता हूं' कहकर लिया किसान क्रेडिट कार्ड और पासबुक- शिकायत में बाबूलाल ने बताया है कि श्यामलाल प्रजापति ने उनसे कहा कि उनके नाम से किसान क्रेडिट कार्ड क्रमांक 2/7 से ऋण निकलवा दिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने बाबूलाल से उनका किसान क्रेडिट कार्ड और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा बिश्रामपुर के बचत खाते की पासबुक ले ली।

शिकायत के मुताबिक श्यामलाल ने यह भरोसा भी दिलाया था कि ऋण निकालने के बाद उसे माफकरा दिया जाएगा। इसके बाद बाबूलाल के नाम से कथित तौर पर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर 23 जून 2026 को 49,000 और 25 जून 2026 को फिर 49,000, यानी कुल ?98,000 की राशि निकाली गई।

कृषि कार्य के लिए ऋण लेने पहुंचे तो खुला मामला- प्रार्थी बाबूलाल के अनुसार उन्हें इस राशि के निकाले जाने की जानकारी उस समय हुई, जब वे जुलाई माह में सोसायटी में खाद, बीज एवं कृषि कार्य के लिए ऋण राशि लेने पहुंचे। वहां कर्मचारियों द्वारा उन्हें बताया गया कि उनके नाम से दो किस्तों में ऋण निकाला जा चुका है।

यह जानकारी मिलने के बाद बाबूलाल ने कथित तौर पर श्यामलाल प्रजापति से संपर्क करने का प्रयास किया। शिकायत में कहा गया है कि उन्होंने कई बार फोन किया और उनके घर जाकर संपर्क करने की कोशिश भी की, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

फर्जी हस्ताक्षर कर रकम हड़पने का आरोप- बाबूलाल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक से ?98 हजार की राशि निकालकर हड़प ली गई। उनका कहना है कि वे बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर हैं तथा इतनी बड़ी ऋण राशि चुकाने की स्थिति में नहीं हैं।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि बाबूलाल को ऋण की राशि निकलने की जानकारी तक नहीं थी और उन्होंने स्वयं कोई ऋण राशि प्राप्त नहीं की। मामले को लेकर उन्होंने एसडीएम सूरजपुर से श्यामलाल प्रजापति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने और उन्हें आर्थिक नुकसान से बचाने की मांग की है।

पूरे मामले में शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। खास तौर पर ऋण आवेदन, किसान क्रेडिट कार्ड, बैंक से निकासी संबंधी दस्तावेज, हस्ताक्षर और राशि प्राप्त करने वाले व्यक्ति की जांच इस मामले में अहम मानी जा रही है।

यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो यह मामला न केवल एक बुजुर्ग ग्रामीण के साथ कथित धोखाधड़ी का होगा, बल्कि सहकारी समिति और बैंकिंग व्यवस्था में दस्तावेजों के दुरुपयोग का गंभीर मामला भी बन सकता है।

किसानों को समिति से मिलने वाला खाद की कालाबाजारी के आरोप में बर्खास्त है श्यामलाल प्रजापति- इस संबंध में किसानों ने आरोप लगाया कि जयनगर सहकारी समिति के पूर्व प्रबंधक श्यामलाल प्रजापति पर अधिकारियों का छत्रछाया प्रदान है यही कारण है कि वे हमेशा विवाद में रहते हैं कभी धान खरीदी में धांधली तो कभी किसानों को मिलने वाला खाद बीज की धांधली करने की इन्हें छूट मिल चुकी है ,इन्हीं सब मामला में वे बर्खास्त है। किसानों ने बताया कि श्यामलाल प्रजापति पर सता एवं विपक्ष के नेताओं का कोई असर नहीं है वे सभी से मैनेज (सामंजस्य) स्थापित कर मनमानी करने में लगे रहते हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। किसानों ने यह भी बताया कि श्यामलाल के ऊपर कई आरोप लगे हैं परंतु अपने वे जुगाड़ से बच निकलते हैं अब देखना यह है कि किसान क्रेडिट कार्ड से पैसा निकालने के आरोप में उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होती है यह देखने लायक होगा जो भविष्य के गर्त में है।

संक्षिप्त समाचार

सूरजपुर तहसील कार्यालय में दो दिन से बिजली गुल, मोबाइल टॉर्च की रोशनी में काम करने को मजबूर कर्मचारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर तहसील कार्यालय में पिछले दो दिनों से बिजली व्यवस्था ठप होने से कामकाज प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में दस्तावेजों और अन्य कार्यों को निपटाना पड़ रहा है। इस मामले में तहसीलदार से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि बिजली से संबंधित उपकरण जल गया है, जिसके कारण फ्लिहाल व्यवस्था प्रभावित है और सीमित संसाधनों से काम चलाया जा रहा है। तहसील जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय में बिजली व्यवस्था कब तक दुरुस्त होगी, यह देखने वाली बात होगी।

जीवन से भिड़ेगा भीमा: 'जीवन या भीमा कौन?' में अरशद वारसी का पहला डबल रोल बढ़ाएगा कन्फ्यूजन और अराजकता का डोज़!

मुंबई: 'जीवन या भीमा कौन?' के मेकर्स ने बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया है। अरशद वारसी और संजीदा शेख स्टारर यह फिल्म अभिषेक डोगरा के निर्देशन में बनी है और 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। ट्रेलर फिल्म की अनोखी और अप्रत्याशित दुनिया की झलक पेश करता है, जिसमें डार्क ह्यूमर, क्राइम, सस्पेंस और गलत पहचान से पैदा होने वाला जबरदस्त कन्फ्यूजन देखने को मिलता है। खास बात यह है कि फिल्म में अरशद वारसी पहली बार डबल रोल में नजर आएंगे।

ट्रेलर में अरशद वारसी दो बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आते हैं—जीवन और भीमा। दो अलग-अलग जिंदगियों का यह अजीबोगरीब टकराव घटनाओं की ऐसी कड़ी को जन्म देता है, जो कहानी को लगातार नए मोड़ देती है। जहां जीवन एक आम, कर्ज़ में डूबा हुआ आदमी है, जो अपनी परेशानियों से निकलने का रास्ता तलाश रहा है, वहीं भीमा उसका खतरनाक हमशक्ल है, जिसकी जिंदगी में एंट्री होते ही सब कुछ बदल जाता है। संजीदा शेख, जीवन की तेज-तर्रार और समझदार पत्नी योजना के किरदार में नजर आएंगी। वहीं विजय राज रहस्यमयी विनायक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में पूजा चोपड़ा, बिजेंद्र काला और दिवंगत अतुल परचुरे भी शामिल हैं। अपने पहले डबल रोल के अनुभव के बारे में बात करते हुए अरशद वारसी ने कहा, एक फिल्म में दो किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था। जीवन और भीमा दो बहुत अलग तरह के इंसान हैं और मज़ा उन छोटी-छोटी बारीकियों को तलाशने में था, जो दोनों को एक-दूसरे से अलग बनाती हैं।

न्युवोको ने 'उत्कृष्ट शिखर 2026' के माध्यम से अपने चैनल पार्टनर्स का सम्मान किया

मुंबई: न्युवोको विस्टास कॉर्प.लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने अपने खास चैनल पार्टनर्स के योगदान और पार्टनरशिप का जश्न 'न्युवोको उत्कृष्ट शिखर 2026' के ज़रिए मनाया। यह कंपनी का सालाना डीलर कॉन्फ्रेंस और प्रीमियम सम्मान व रिवार्ड देने का प्लेटफॉर्म है। 15 अगस्त से 20 अगस्त 2026 के बीच आयोजित इस प्रोग्राम में पूर्वी क्षेत्र के 1,800 से ज़्यादा चैनल पार्टनर्स शामिल हुए। इसमें पश्चिम बंगाल, झारखंड और पूर्वोत्तर, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश के पार्टनर्स शामिल थे।

ड्रीमर्स. बिलीवर्स. अचीवर्स. (सपने देखने वाले, भरोसा करने वाले, कामयाबी हासिल करने वाले) थीम पर आधारित, 'उत्कृष्ट शिखर' न्युवोको और उसके चैनल पार्टनर्स के साझा सफ़र को दिखाता है। शिखर का मतलब है सबसे ऊंचा मुकाम या चोटी; यह महत्वाकांक्षा, भरोसे, लगन और पार्टनरशिप से मिली सामूहिक कामयाबी का प्रतीक है। यह थीम उन पार्टनर्स को सम्मान देती है जिन्होंने न्युवोको के साथ सपने देखे, कंपनी के दृष्टिकोण पर भरोसा किया और मिलकर हासिल की गई कामयाबियों में योगदान दिया। चिराग शाह, हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प.लिमिटेड ने कहा कि हमारे चैनल पार्टनर्स न्युवोको की तरक्की के सफ़र का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने हमारे ब्रांड को मज़बूत करने, बाज़ार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते बनाने में हमारी मदद की है। 'उत्कृष्ट शिखर' उनके योगदान को सम्मान देने और मज़बूत पार्टनरशिप, बेहतर मार्केट एक्ज़ीक्यूशन और लगातार ब्रांड बिल्डिंग के ज़रिए साथ मिलकर आगे बढ़ने के हमारे वादे को और पक्का करने का एक मौका है। जैसे-जैसे हम प्रीमियम उत्पादों पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं, हमारे पार्टनर्स हमारे खास उत्पादों की दायरा और उपलब्धता बढ़ाने, ग्राहकों की पसंद को मज़बूत करने और बाज़ारों में वैल्यू-बेस्ड ग्रोथ को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते रहेंगे। निहार परिदा, सेल्स हेड (ईस्ट), न्युवोको विस्टास कॉर्प.लिमिटेड ने कहा कि हमारे चैनल पार्टनर न्युवोको की मार्केट में मौजूदगी को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

निरीक्षक जे.एस.कंवर व एसआई रामप्रताप साहू हुए सेवानिवृत्त एस पी योगेश कुमार पटेल ने अनुकरणीय सेवा के लिए किया सम्मानित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- पुलिस विभाग में दशकों तक अनुशासन, निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपनी सेवाएं देने वाले निरीक्षक जे.एस. कंवर एवं उप निरीक्षक रामप्रताप साहू सोमवार, 31 अगस्त 2026 को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए। जिला पुलिस कार्यालय सूरजपुर में आयोजित सेवानिवृत्ति विदाई समारोह में दोनों अधिकारियों को ससम्मान भावभीनी विदाई दी गई।

निरीक्षक जे.एस कंवर ने 40 वर्ष 5 माह तथा उप निरीक्षक रामप्रताप साहू ने 35 वर्ष 10 माह तक पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने दोनों अधिकारियों के दीर्घ सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों एवं योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल ने कहा कि पुलिस विभाग में इतने लंबे समय तक पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवाएं देना गौरव की बात है। दोनों अधिकारियों ने अपने सेवाकाल में अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन किया तथा अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सदैव मार्गदर्शन प्रदान किया। शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम तथा आमजन की सुरक्षा एवं सेवा में दोनों अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सेवानिवृत्त हो रहे दोनों अधिकारियों ने अपने लंबे सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए पुलिस सेवा के दौरान सामने आई विभिन्न चुनौतियों, महत्वपूर्ण कार्यवाहियों एवं यादगार पलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में रहते हुए आमजन की सुरक्षा एवं सेवा को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया।

समारोह के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ बिताए सेवाकाल के अनुभवों को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं। परिजनों की मौजूदगी ने विदाई समारोह को और भावुक बना दिया। सभी ने दोनों अधिकारियों के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप एवं रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिजन उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सोनिका राजवाड़े को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पुरस्कार वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में एथलेटिक्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सूरजपुर की प्रतिभावान खिलाड़ी सोनिका राजवाड़े को प्रतिष्ठित शहीद कौशल यादव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 29 अगस्त 2026 को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में सोनिका को यह सम्मान प्रदान किया गया।

सोनिका राजवाड़े की इस उपलब्धि पर सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोनिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और बेहतर प्रशिक्षण के माध्यम से खेल के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने सोनिका को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय, खेल संघ के पदाधिकारियों तथा सोनिका के माता-पिता ने भी उन्हें सम्मान मिलने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोनिका के आगामी खेल सफ़र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।

सैमसंग ने गैलेक्सी बुक6 लाइनअप को और आगे बढ़ाया, अब गैलेक्सी बुक और ज्यादा लोगों की पहुंच में

सोल, कोरिया: सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज नया 14 इंच गैलेक्सी बुक6 पेश किया है। रोजमर्रा के कामकाज को ध्यान में रखकर बनाया गया यह मॉडल गैलेक्सी बुक6 लाइनअप को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाता है। 799 डॉलर से शुरू होने वाले गैलेक्सी बुक6 में 25 घंटे तक चलने वाली बैटरी, इंटेल कोर 3 और कोर 5 की परफॉर्मेंस, गैलेक्सी एआई वाले फीचर्स और गैलेक्सी बुक6 परिवार का वही जाना पहचाना डिजाइन मिलता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की गैलेक्सी इकोसिस्टम्स बिजनेस टीम के प्रमुख और एग्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मिनचोल ली ने कहा, नए गैलेक्सी बुक6 के साथ हम गैलेक्सी बुक का अनुभव और ज्यादा लोगों तक पहुंचाना चाहते थे। कम कीमत में यह वे सारी चीजें एक साथ देता है जिन्हें यूजर रोज काम में लाते हैं, जैसे भरोसेमंद परफॉर्मेंस, लंबी चलने वाली बैटरी, आपस में जुड़े गैलेक्सी अनुभव और गैलेक्सी बुक6 का डिजाइन डीएनए। यह भरोसा खरीदने के बाद भी बना रहता है।

रोजमर्रा के काम के लिए परफॉर्मेंस और बैटरी- नया गैलेक्सी बुक6 उन्हीं कामों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिन पर लोग रोज निर्भर रहते हैं, फिर चाहे वह वेब ब्राउज करना और डॉक्यूमेंट बनाना हो या वीडियो कॉल, एक साथ कई काम और कंटेंट स्ट्रीमिंग। एक बार चार्ज करने पर 25 घंटे तक चलने वाली बैटरी के साथ यूजर दिन भर लंबे समय तक काम कर सकते हैं, पढ़ाई कर सकते हैं और कंटेंट का मजा ले सकते हैं। और जब चार्ज करने की बारी आए, तो 45 वॉट फास्ट चार्जिंग 30 मिनट में करीब 33 प्रतिशत चार्ज कर देती है। लंबे समय तक चलने वाली इस बैटरी के साथ मिलती है इंटेल कोर सीरीज 3 प्रोसेसर की परफॉर्मेंस, यानी इंटेल का नया आर्किटेक्चर और बिजली की कम खपत, वह भी रोज के पीसी कामों में। यह प्रोसेसर गैलेक्सी एआई और दूसरे एआई फीचर्स को भी सपोर्ट करता है, जो यूजर के लिए काम करना, कुछ नया बनाना और चीजों को आसानी से निपटाना और सरल बना देते हैं।

गैलेक्सी बुक6 के डिजाइन डीएनए के साथ बना- गैलेक्सी बुक6 लाइनअप में शामिल हुआ यह नया मॉडल सीरीज के उसी डिजाइन को आगे बढ़ाता है, जिसकी पहचान हैं साफसुथरी, संतुलित लाइनें और दोनों तरफएक जैसी बनावट।

राहुल गांधी पर एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

प्रतिशोध की राजनीति का लगाया आरोप

दोषी भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध उत्तराखंड के हल्द्वानी सिटी कोतवाली में दर्ज स्त्रङ्कके विरोध में सोमवार शाम जिला मुख्यालय सूरजपुर में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में अग्रसेन चौक पर कांग्रेसजनों ने जमकर नारेबाजी की और विरोध मार्च निकालकर एफआईआर का विरोध जताया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित रैली के स्थल पर भाजपा एवं आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से किए गए जातिवादी शुद्धिकरण अनुष्ठान की घटना अत्यंत निंदनीय है। इस घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपना पक्ष रखते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और स्त्रङ्कक दर्ज करने की मांग की थी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह का आरोप है कि संबंधित दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय उत्तराखंड पुलिस ने भाजपा राज्य सरकार के दबाव में राहुल गांधी के विरुद्ध ही स्त्रङ्कक दर्ज कर दी। कांग्रेसजनों ने इसे प्रतिशोध की राजनीति और राज्य मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कड़ी निंदा की

और प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस ने उत्तराखंड में कथित रूप से जातिवादी कृत्य करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इसके बाद कांग्रेसजनों ने अग्रसेन चौक से विरोध मार्च निकाला और राहुल गांधी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा आक्रोश देखने को मिला।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से इस्माईल खान, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल, बिहारी कुलदीप, बबिता गुप्ता, दीपक साहू, शान्तु डोसी, शक्ति ठाकुर, जमील अहमद, विनय दास, जबारुल हक, तुसार पनिका, इमरान सिद्दकी, भागवत पैंकरा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। वही राहुल गांधी के खिलाफएफआईआर वापस लेने तथा हल्द्वानी की कथित घटना के दोषियों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की कांग्रेस ने उठाई मांग।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 02 सितंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

2036 ओलंपिक के लिए प्रदेश का विजन कैसा हो

भूपिंदर सिंह

हिमाचल प्रदेश में खेल संस्थान बनता है तो यह प्रदेश के खिलाडियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता बनाने में सहायक सिद्ध होगा, साथ ही गर्मियों के लिए देश के पास एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद के लिए पक्का कर चुका है और 2036 ओलंपिक भी भारत को ही मिलने की पूरी संभावना है। ऐसे में देश के खिलाडियों का इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमरीका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो। क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिय़ा प्रशिक्षण स्थल है मगर यहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है- विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्व पटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिट्नेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी कभी अच्छे परिणाम देने वाला हिमाचल प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्यों ने भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व उड़ीसा के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमी खोलनी होगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही वह प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नगद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप हर विद्यार्थी को फिट्नेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की तर्ज पर अपना राज्य क्रीड़ा संस्थान हो, इसके लिए क्या सरकार कृतसंकल्प नजर आती है, तो जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जाए। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिट्नेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। खेल संस्थान में हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। खेल नीति में उन राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात की है जो खेल छात्रावास के बाहर हों, उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। खेल प्राधिकरण बनने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला करता था। हिमाचल प्रदेश में खेल संस्थान बनता है तो हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता बनाने में सहायक सिद्ध तो होगा ही, मगर साथ साथ गर्मियों के लिए देश के पास एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा। ऐसा होता है तो हिमाचल व भारतीय खिलाडियों को प्रशिक्षण के लिए अच्छा जलवायु मिलेगा और यूरोप व अमरीका में कैंप कराने का करोड़ों रुपया बचेगा। साथ ही साथ हिमाचल प्रदेश को अच्छा राजस्व भी मिलेगा।

कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं

अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोष भारत पर भी लगाया गया है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी ऐसी ही तोहमत मढ़ी गई है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन से कटी नीतियों में कोई खोट नज़र नहीं आता! इसलिए उसके अधिकारी अपनी हर नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करने लगते हैं! उनकी सोच ऐसी है कि जैसे सारी दुनिया के अमेरिका के लिए है, इसलिए तमाम देशों को उसके हित में काम करना चाहिए! इसका ताजा उदाहरण ह्वाइट हाउस की रिपोर्ट है, जिसमें चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध में अमेरिका की नाकामी का दोष अमेरिका के करीबी सहयोगियों समेत 40 से ज्यादा देशों पर मढ़ा गया है। जिनको अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोषी बताया गया है, उनमें भारत भी है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी चीन से सहयोग करने की तोहमत मढ़ी गई है। ह्वाइट हाउस के मुताबिक इन देशों ने अरबों डॉलर के टैरिफ से बचने में चीनी कंपनियों को मदद की। ये देश ट्रांसशिपिंग में मददगार बने। यानी चीनी कंपनियों ने उन देशों को अपने उत्पाद भेजे, जिन पर अमेरिका ने कम टैरिफ लगाए हैं। फिर वहां से उन वस्तुओं को अमेरिका निर्यात किया गया। मगर ये इल्जाम भूमंडलीकरण के दौर में खुद अमेरिकी पहल पर दुनिया में बनी आपूर्ति श्रृंखला का स्वाभाविक परिणाम है। इन श्रृंखलाओं के तहत अधिकांश अंतिम उत्पाद विभिन्न देशों में बने पाट-पुर्जों पर निर्भर हैं। चूंकि इस दौर में चीन ने खुद को 'दुनिया के कारखाने' के रूप में विकसित किया, तो लाजिमी है कि उस पर सबसे ज्यादा निर्भरता है। चीनी अर्थव्यवस्था के खास स्वरूप के कारण वहां बनी चीजें सस्ती पड़ती हैं, इसलिए भी अन्य देशों की कंपनियों के लिए वहां से आयात रोकना घाटे का सौदा बन जाता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ 2018 से शुरू अमेरिकी व्यापार युद्ध का ज्यादा असर नहीं हुआ है। चीन का निर्यात बढ़ता गया है। अमेरिका में भी अन्य स्रोतों से चीनी वस्तुओं का पहुंचना जारी है, जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन के असंतोष का इजहार अब हुआ है। सबक यह है कि विश्व व्यापार की दिशा बदलने की कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं है, जिस बात को ट्रंप नहीं समझ पा रहे हैं।

आलेख

स्वास्थ्य दुश्चिंता विकार: कारण, लक्षण व बचाव

डॉ मनोज कुमार तिवारी

यदि आप अपनी सेहत को लेकर सदैव चिंतित रहतें हैं, अपने शरीर में गांठ, झुनझुनी या दर्द जैसे बीमारी के लक्षणों की नियमित रूप से जांच करतें हैं, हमेशा लोगों से यह आश्वासन चाहते हैं कि आप बीमार नहीं हैं, सदैव सोचते रहतें हैं कि मेडिकल टेस्ट में कुछ छूट तो नहीं गया या इंटरनेट पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को हद से ज्यादा खोजते हैं तो आप बीमारी संबंधी चिंता विकार से ग्रस्त हो सकते हैं। इलनेस एंग्जायटी डिसऑर्डर/हेल्थ एंग्जायटी डिसऑर्डर को बीमारी संबंधी चिंता विकार या हाइपोकॉन्ड्रिया भी कहते हैं। यह एक ऐसी मानसिक स्थिति है जिसमें व्यक्ति को लगातार डर रहता है कि उसे कोई गंभीर/ जानलेवा बीमारी (कैंसर या दिल का दौरा) होने वाली है। सामान्य शारीरिक बदलावों या लक्षणों को भी व्यक्ति बहुत बड़ी बीमारी समझता है। बीमारी संबंधी चिंता विकार (हाइपोकॉन्ड्रिया) अत्यंत दुर्लभ है। यह लगभग 0.1त्न लोगों को प्रभावित करता है। बीमारी संबंधी चिंता विकार युवावस्था के शुरुआती या मध्य में शुरू होता है और उम्र के साथ बढता है। वृद्धजनों में स्वास्थ्य संबंधी चिंता उनकी याददाश्त खोने का डर होता है।

बीमारी संबंधी चिंता विकार के दो प्रकार हैं:- ईलाज की अत्यधिक आवश्यकता:- ये स्वास्थ्य सेवा केंद्र में काफी समय बिताते हैं और कई विशेषज्ञों से सलाह लेते हैं। बार बार चिकित्सीय जाँच का अनुरोध करते हैं।

ईलाज से बचने की प्रवृत्ति:- ये स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और चिकित्सा देखभाल से बचने की कोशिश करते हैं। इन्हें चिकित्सक पर भरोसा नहीं होता है। इन्हें लगता है कि चिकित्सक लक्षणों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं जिससे इनमें और अधिक चिंता उत्पन्न होती है।

लक्षण:- बार-बार स्वास्थ्य की जांच करना:- पीडित बार-बार अपना ब्लड प्रेशर, शुगर, नब्ज नापना या शरीर पर किसी तिल/निशान को बार- बार देखकर चिंतित होना।

गूगल पर बीमारी खोजना:- छोटे लक्षणों के लिए इंटरनेट पर गंभीर बीमारी ढूंढना।

बार बार चिकित्सक से मिलना:- लगातार व बार - बार मेडिकल जाँच करवाना और चिकित्सक के यह कहने पर भी संतुष्ट न होना कि आप बिल्कुल स्वस्थ हैं।

घबराहट:- बीमारी के बारे में अधिक सोचने से उत्पन्न अत्यधिक तनाव के कारण दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, बैचेनी या चक्कर आना। लगातार डर:- बीमारी होने के विचार से दिनभर परेशान व भयभीत रहना व रुचिकर कामों में भी मन न लगना।

कारण:- बचपन का मानसिक आघात:- बचपन में किसी गंभीर बीमारी का सामना करना या परिवार में किसी की गंभीर बीमारी और मौत देखना। इस विकार एक प्रमुख कारण है। अत्यधिक तनाव:- जीवन में उच्च स्तर व लंबे समय तक रहने वाला मानसिक तनाव, नौकरी या कार्य का दबाव या व्यक्तिगत समस्याएं। इंटरनेट:- लक्षणों को बार-बार ऑनलाइन गूगल पर सर्च करना (जिसे साइबरकॉन्ड्रिया कहा जाता है) तथा गलत जानकारी होने से सदैव डरे रहना। पारिवारिक इतिहास:- माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों या निकट रिश्तेदार में का बहुत ज़्यादा चिंतित रहने का स्वभाव होना। मस्तिष्क के रसायन:- मस्तिष्क में कुछ रसायनों (न्यूरोट्रांसमीटर) का असंतुलन होना जो डर व चिंता को नियंत्रित करते हैं।

बीमारी का पिछला अनुभव:- अतीत में किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होना या गलत मेडिकल टेस्ट जिसका असर मन पर गहरा असर डाला हो। जोखिम कारक:- जीवन में अत्यधिक तनाव का होना किसी गंभीर बीमारी का खतरा जो अंतत: गंभीर न निकले बचपन में दुर्व्यवहार/ मानसिक आघात बचपन में गंभीर बीमारी होना माता/पिता को गंभीर बीमारी होना अत्यधिक चिंता करने की प्रवृत्ति स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग करना।

जटिलताएं:- अत्यधिक चिंता करने से दूसरों को निराशा होती है, जिससे रिश्तों में या पारिवार में समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा तेज

अजीत द्विवेदी

अचानक 'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा तेज हो गई है। संसद की संयुक्त समिति यानी जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी अचानक सक्रिय हो गए हैं और कहा जाने लगा है कि 2029 में ही पूरे देश के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। मीडिया में इस पर बहसें होने लगी हैं। अचानक आई इस तेजी से दो सवाल उठते हैं। पहला तो यह कि सरकार अभी तक परिसीमन और महिला आरक्षण के प्रयास में लगी है तो फिर 'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा क्यों शुरू हुई और दूसरा सवाल यह कि अगर महिला आरक्षण कानून को सरकार संशोधित नहीं करा पा रही है तो पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए लाए गए संविधान के 129वें संशोधन विधेयक को कैसे पास कराएगी? ध्यान रहे जिस तरह नारी शक्ति वंदन कानून में बदलाव के लिए लाए गए 131वें संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरुरत है वैसे ही 129वें संशोधन के लिए भी दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है। अगर सरकार 129वें संशोधन को पास नहीं करा पाती है तो 2029 में 'एक देश, एक चुनाव' संभव नहीं है। इसके बावजूद अगर भाजपा चाहे तो बहुत से राज्यों के चुनाव लोकसभा के साथ करा सकती है। इसके लिए उसे अपने शासन वाले राज्यों की सरकारों से संबंधित राज्य की विधानसभा को समय से पहले भंग कराना होगा। अगर भाजपा ऐसा करती है तो कांग्रेस या दूसरी पार्टियों के शासन वाले राज्यों पर भी दबाव बनेगा कि वे इस अभियान में शामिल हों। इसके लिए भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों से ही तैयारी शुरू करानी होगी। हालांकि यह तय माना जा रहा है कि विपक्षी पार्टियां एक साथ चुनाव के लिए तैयार नहीं होंगी। कांग्रेस के पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार के इस प्रयास को असंवैधानिक बताया है तो जेपीसी में शामिल तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने भी इसका विरोध किया है। दोनों ने समिति के सामने अपनी पार्टी की राय स्पष्ट रूप से रख दी है। इसलिए केंद्र सरकार और भाजपा के पास यह रास्ता बचता है कि वह अपने शासन वाले राज्यों की विधानसभा समय से पहले भंग कराए और एक साथ चुनाव करा कर एक मिसाल बनाए। वैसे लोकसभा के साथ चार राज्यों के चुनाव स्वत: होते हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के चुनाव लोकसभा के साथ में होते हैं। इनके अलावा तीन अन्य राज्यों के चुनाव उसी साल के अंत में होते हैं। इनमें से दो राज्यों महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है। चुनाव आयोग चाहे तो इन तीनों राज्यों का चुनाव मई में लोकसभा के साथ करा सकता है। इस तरह लोकसभा और सात राज्यों में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के आइडिया को लेकर गंभीर हुए, अभी तक वह गंभीरता नहीं दिखी है, तो 2030 और 2031 में जिन भाजपा शासित राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां की विधानसभा भंग करा सकते हैं। 2030 में दो राज्यों दिल्ली और बिहार का चुनाव है, जहां भाजपा की सरकार है। 2031 में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनाव होंगे। इनमें से तीन राज्यों में भाजपा की सरकार है। अगर भाजपा चाहे तो तीनों राज्यों में समय से पहले चुनाव करा सकती है। अगर 2030 और 2031 के पांच राज्यों के चुनाव समय से पहले होते हैं तो लोकसभा के साथ 12 राज्यों के चुनाव हो सकते हैं। अगले साल यानी 2027 में सात राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें पंजाब और हिमाचल छोड़ कर बाकी पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और गुजरात में भाजपा की सरकार है। उसके अगले साल यानी 2028 में पांच बड़े राज्यों के चुनाव हैं, जिनमें कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में है, जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है। इनके अलावा पूर्वोत्तर के चार राज्यों मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम के चुनाव भी 2028 में हैं। 2027 के चुनावों को तो 2029 तक स्थगित नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या 2028 के चुनावों के 2029 के लिए स्थगित किया जा सकता है? विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने के लिए कानून बनाने की जरुरत होगी, जो संभव नहीं दिख रहा है। दूसरा रास्ता राष्ट्रपति शासन लगाने का है। लेकिन यह काम विपक्षी पार्टियों की सहमति के बगैर संभव नहीं है। कांग्रेस इस बात के लिए तैयार नहीं होगी कि कम से कम उसके शासन वाले राज्यों में राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। भाजपा शासित राज्यों में भी राष्ट्रपति शासन लगा कर चुनाव टालना एक संवैधानिक मामला बनेगा, जिसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन अगर राजनीतिक सहमति बने तो 2028 के नौ चुनाव भी 2029 में कराए जा सकते हैं। इस तरह लोकसभा और कम से कम 21 राज्यों के चुनाव एक साथ हो जाएंगे। परंतु यह पूरा हिसाब किताब दूर की कौड़ी लग रहा है। संसद से कानून बनाए बगैर और संविधान के प्रावधानों को बदले बगैर 'एक देश, एक चुनाव' मुमकिन नहीं दिख रहा है। अगर सरकार दो तिहाई बहुमत जुटा लेती है या विपक्ष को तैयार कर लेती है तभी कानून पास होगा और तब 2028 के चुनाव टाल कर और 2032 तक के चुनाव पहले करा कर 2029 में एक साथ सारे चुनाव कराए जा सकते हैं। अन्यथा इसे 2034 के लिए छोड़ना पड़ेगा। हालांकि इस पूरी कवायद का कोई खास अर्थ नहीं है और न इसकी कोई जरुरत है। न तो एक साथ चुनाव कराने से कोई बहुत ज्यादा पैसे की बचत होनी है और न बार बार चुनाव होने से कोई कामकाज प्रभावित होता है। पैसे की बचत और कामकाज प्रभावित होने का तर्क पूरी तरह से बेकार है। उलटे हर साल कहीं न कहीं चुनाव होने से सरकारें जवाबदेह बनती हैं। अमेरिका में हर साल चुनाव होते हैं और इस वजह से सरकारें जनता के प्रति ज्यादा जवाबदेह रहती हैं।

धार्मिक पर्यटन से समृद्धि और रोजगार सृजन

अनुज आचार्य

बैजनाथ, ज्वालामुखी, चामुंडा, चिंतपूर्णी, किन्नौर और कुल्लू की देव संस्कृति सहित हजारों छोटे मंदिर, मठ और लोकदेवता स्थल धार्मिक पर्यटन के साथ रोजगार के केंद्र बन सकते हैं भारत का इतिहास केवल राजाओं, युद्धों और राजनीतिक उत्थान-पतन की कहानी नहीं है। यह हजारों वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक निरंतरता, आध्यात्मिक चेतना, ज्ञान परंपरा, कला, स्थापत्य और सामाजिक समरसता की भी जीवंत गाथा है। मंदिर और तीर्थस्थल इस विरासत के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं। वे केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं, बल्कि शिक्षा, संगीत, साहित्य, लोककला, स्थापत्य और सामाजिक जीवन के केंद्र भी रहे हैं। अमृतकाल में भारत अपनी इसी विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ आधुनिक विकास से जोडऩे का प्रयास कर रहा है। सोमनाथ से काशी, अयोध्या से केदारनाथ और दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिरों तक संरक्षण, पुनर्विकास और सुविधाओं का विस्तार इसी बदलती सांस्कृतिक दृष्टि का संकेत है। इक्कीसवीं सदी में काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास इसी प्रक्रिया का आधुनिक उदाहरण है। दिसंबर 2021 में श्री काशी विश्वनाथ धाम के प्रथम चरण का उद्घाटन लगभग 339 करोड़ रुपए की लागत से हुआ था। मंदिर परिसर को गंगा तट से जोडऩे और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार करने वाले इस प्रकल्प ने काशी के धार्मिक पर्यटन को नई गति दी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, उद्घाटन के बाद साढ़े तीन वर्षों में काशी विश्वनाथ धाम में 25.28 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। एक सरकारी आकलन के अनुसार इससे लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव भी पड़ा है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की जनवरी 2024 में हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने धार्मिक पर्यटन के नए आयाम खोले हैं। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार अयोध्या धाम में पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या 2020 के लगभग 60.23 लाख से बढक़र 2024 में 16.44 करोड़ हो गई है। इतनी बड़ी वृद्धि का प्रभाव होटल, परिवहन, रेस्तरां, स्थानीय बाजार, हस्तशिल्प, होमस्टे और अन्य सेवा क्षेत्रों पर पड़ा है। इससे स्पष्ट है कि किसी बड़े तीर्थस्थल का विकास केवल धार्मिक गतिविधि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार का महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। तीर्थस्थलों के बढ़ते विस्तार के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ती है। मंदिरों और धार्मिक संस्थानों में

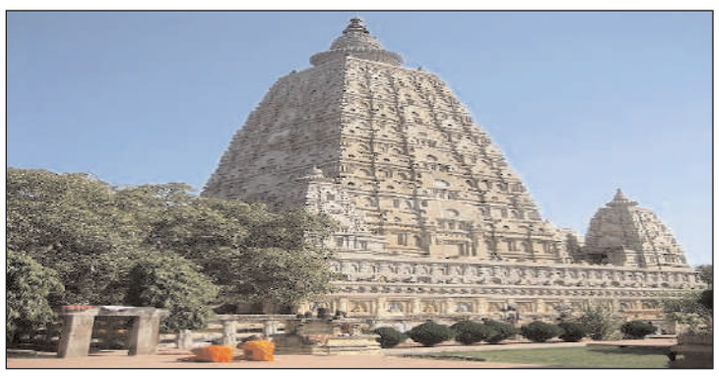

आने वाले बड़े दान का उपयोग श्रद्धालुओं के विश्वास, उनके लिए सुविधाओं के निर्माण और सार्वजनिक हित की कसौटी पर होना चाहिए। अयोध्या दान चोरी के आलोक में धन, भूमि या संपत्ति से जुड़ी किसी भी अनियमितता की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के साथ साथ दीर्घकालीन नीतियों के निर्माण की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में धार्मिक पर्यटन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। प्रयागराज महाकुंभ-2025 इसका असाधारण उदाहरण रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 45 दिनों तक चले महाकुंभ में 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई थी। यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक शक्ति के साथ-साथ विशाल स्तर पर परिवहन, स्वच्छता, आवास, सुरक्षा और डिजिटल प्रबंधन की क्षमता का भी प्रदर्शन था। केदारनाथ भी आस्था, पुनर्निर्माण और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय का महत्वपूर्ण उदाहरण है। 2013 की विनाशकारी आपदा के बाद केदारपुरी के पुनर्विकास में सुरक्षा, मार्ग और तीर्थयात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई। अब सोनप्रयाग-केदारनाथ 12.9 किलोमीटर रोपवे परियोजना को 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति मिली है, जिसकी क्षमता प्रति दिशा 1800 यात्रियों प्रति घंटे की होगी। इससे यात्रा समय को लगभग आठ-नौ घंटे से घटाकर करीब 36 मिनट करने का लक्ष्य है। पर्वतीय क्षेत्रों में जलस्रोत, कचरा प्रबंधन और पारिस्थितिकी की रक्षा करना भी जरूरी हो गया है। सरकार की (पीआरएएसएचएडी) अर्थात् तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। फरवरी 2025 तक पर्यटन मंत्रालय के अनुसार इस योजना के तहत 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 47 परियोजनाएं 1594.40 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से स्वीकृत की थीं। इसके अतिरिक्त धार्मिक और विरासत स्थलों के विकास के लिए स्वदेश दर्शन जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि सडक़, परिवहन, स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं का समग्र विकास है। धार्मिक पर्यटन की अवधारणा मंदिर दर्शन से आगे बढ़ चुकी है। योग, ध्यान, आयुर्वेद, आध्यात्मिक रिट्रीट, स्थानीय खानपान, हस्तशिल्प, लोककलाएं और सांस्कृतिक उत्सव इसके नए आयाम बन रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं के लिए गाइड, होमस्टे, परिवहन, डिजिटल सेवाओं और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। यदि स्थानीय समुदाय को इस अर्थव्यवस्था का वास्तविक भागीदार बनाया जाए।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 02 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

वास्तविकता से लड़ना छोड़ें, परिस्थितियों की लहरों पर तैरना सीखें : निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। जीवन में शांति के लिए प्रतिरोध का अंत, नियंत्रण का दायरा पहचानना, वर्तमान में जीना और ऊर्जा को सही दिशा देना जरूरी निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने जीवन की वास्तविकताओं का दर्शन कराते हुए कहा कि मनुष्य यदि वास्तव में सहज, शांत और संतुलित जीवन जीना चाहता है तो उसे सबसे पहले वास्तविकता को स्वीकार करना सीखना होगा। जो जैसा है, उसे वैसा ही मान लेना ही स्वीकृति है। स्वीकृति का अर्थ हार मान लेना, परिस्थितियों को पसंद कर लेना या उनमें रम जाना नहीं है, बल्कि वास्तविकता से संघर्ष छोड़कर उसका साहस और समझदारी के साथ सामना करना है। जीवन में शांति की शुरुआत वहीं से होती है, जहां प्रतिरोध समाप्त होता है।

मुनि श्री ने कहा कि जब हम किसी परिस्थिति को स्वीकार नहीं करते तो हमारे भीतर मानसिक युद्ध शुरू हो जाता है। मन बार-बार पूछता है- 'ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ?', 'मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है?' यही प्रश्न भीतर प्रतिरोध पैदा करते हैं और यही प्रतिरोध धीरे-धीरे तनाव, दुख और अशांति का कारण बन जाता है। जो घट चुका है, उससे लगातार लड़ते रहने से वह बदलता नहीं है, लेकिन हमारी मानसिक शांति अवश्य प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में व्यक्ति अक्सर स्वयं को पीड़ित बताकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता है। 'मैं तो बेकसूर हूं', 'मैं तो बहुत पीड़ित हूं', 'मैं तो कुछ कर ही नहीं पा रहा हूं' - इस तरह के भाव परिस्थिति का सामना करने के बजाय उससे बचने के उपाय बन जाते हैं। आज की भाषा में इसे 'विक्टिम कार्ड' खेलना कहा जा सकता है। व्यक्ति को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा। बहाने बनाने के बजाय परिस्थितियों की वास्तविकता को समझकर उनका सामना करना होगा।

मुनि श्री ने जीवन को समझने के लिए चार महत्वपूर्ण सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि पहला सूत्र है—प्रतिरोध का अंत। जो परिस्थिति सामने आ गई है, उससे निरंतर लड़ना समाधान नहीं है। स्वीकार करने का अर्थ निष्क्रिय होना नहीं, बल्कि वास्तविकता को पहचानकर उचित कदम उठाना है। प्रतिरोध समाप्त होते ही मन के भीतर समाधान खोजने की क्षमता विकसित होने लगती है।

दूसरा सूत्र है—अपने नियंत्रण का दायरा पहचानना। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में हैं और कुछ हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर। दूसरों का व्यवहार, किसी की सोच, अतीत की गलतियां या अचानक घटित हुई कोई दुर्घटना हमारे नियंत्रण में नहीं है। फिर ऐसी चीजों को बदलने के लिए लगातार क्रोध, चिंता और संघर्ष करने से क्या मिलेगा? इससे परिस्थिति नहीं बदलेगी, केवल हमारी ऊर्जा और शांति नष्ट होगी।

हमारे नियंत्रण में क्या है? अपनी सोच, अपनी प्रतिक्रिया, अपने निर्णय, अपनी संगति और स्वयं को बदलने की शक्ति। मुनि श्री ने कहा कि हम अक्सर दूसरे व्यक्ति को बदलने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा देते हैं। वह बदले तो ठीक, लेकिन यदि वह नहीं बदलता तो हम कब तक उससे उलझते रहेंगे? इसलिए जीवन का सरल सिद्धांत है—व्यक्ति को बदलने की कोशिश करने से बेहतर है, अपना चुनाव बदल लेना। अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है और यही वास्तविक स्वतंत्रता है।

तीसरा सूत्र है- जीवन का स्वाद केवल वर्तमान में है। मुनि श्री ने कहा कि अतीत को हम बदल नहीं सकते और भविष्य को अभी जी नहीं सकते। जीवन केवल वर्तमान में घटित होता है, इसलिए उसका आनंद भी वर्तमान में ही लिया जा सकता है।

क्रोध पर विजय पाने के लिए मन में हो क्षमा भाव : मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी

रायपुर (विश्व परिवार)। क्रोध मनुष्य की शांति और विवेक को नष्ट कर देता है। क्रोध पर विजय पाने के लिए मन में क्षमा का भाव विकसित करना जरूरी है। जब व्यक्ति दूसरों की गलतियों को क्षमा करना सीख जाता है, तब उसके भीतर का तनाव और आक्रोश धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। ये सीख परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने धर्मसभा में दी।

विवेकानंद नगर के ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की प्रवचनमाला में मंगलवार को मुनिश्री ने कहा कि क्रोध का जन्म तब होता है, जब हमारी अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमारी इच्छा और सोच के अनुसार व्यवहार करे। ऐसा नहीं होने पर मन में नाराजगी पैदा होती है और यही नाराजगी क्रोध का रूप ले लेती है। इसलिए क्रोध को समाप्त करने के लिए सबसे पहले अपनी अपेक्षाओं पर नियंत्रण रखना आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि अपेक्षा की उपेक्षा होती है तो मन व आत्मा शांत रहेंगे। क्रोध दुर्ध्यान से बचने का पुरुषार्थ होना चाहिए। मन की इच्छा ही क्रोध को पोषित करती है। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य वीरभद्राचार्य द्वारा रचित आतुर प्रत्याख्यान ग्रंथ से प्रतिदिन धर्मसभा में जो देशना दी जा रही है,इसे सिर्फ सुनना नहीं है। ज्ञान को ग्रहण कर जीवन को मर्यादित करना है।

मुनिश्री ने कहा कि जिसके पास इच्छाएं व अपेक्षाएं होगी उसकी चेष्टा स्वयं की भूल को नजरअंदाज करती है और दूसरों की भूल को ही देखती हैं। व्यक्ति अपनी बड़ी सी बड़ी भूल को भी छोटी मानता है और दूसरों की छोटी से छोटी भूल को भी बड़ी मानने लगता है। क्रोध आता है तो हमेशा दूसरों का ही दोष दिखाई देता है। हमें पर के दोष को नहीं देखना है,स्व के दोष को भी देखना है। क्रोध दुर्ध्यान के संस्कार का त्याग करना है।

मुनिश्री ने कहा कि हम दूसरों से अपने मन के अनुसार व्यवहार की अपेक्षा करते हैं। जब सामने वाला हमारी अपेक्षा के अनुरूप व्यवहार नहीं करता तो हमें दुख और क्रोध होता है। वास्तव में समस्या दूसरे व्यक्ति के व्यवहार में कम और हमारी अपेक्षाओं में अधिक होती है। अपेक्षा कम होगी तो शिकायत भी कम होगी और मन अधिक शांत रहेगा।

उल्लास शपथ के साथ साक्षरता पखवाड़े की शुरुआत

आरंग (विश्व परिवार)। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार साक्षरता पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत चरौदा में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत शपथ दिलाकर पखवाड़े की शुरुआत की गई। ग्राम पंचायत के सरपंच देवशरण धीवर ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं अन्य लोगों को साक्षरता के प्रति जागरूक रहने तथा निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने में सहयोग करने की शपथ दिलाई।इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव श्रीमती गायत्री शर्मा, पंच प्रेमलाल साहू, अमित साहू, शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा और विकासखंड स्रोत समन्वयक सुरेंद्र सिंह चंद्रसेन ने उल्लास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्राचार्यों, संस्था प्रमुखों और नागरिकों से अपील की है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. कामिनी बावनकर ने बताया कि 1 से 15 सितंबर तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उल्लास कार्यक्रम को गति दी जाएगी। वहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने अलंकार परिहार साक्षरता नोडल, शिक्षक अरविंद वैष्णव व महेन्द्र कुमार पटेल सहभागिता निभा रहे हैं।

सज्जन-व्यक्ति ही अनुशासन-प्रिय हो सकता है: पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव के शिष्य श्रुत संवेगी श्रमण सुव्रतसागर महाराज जी ने अवगत कराया की दिल्ली, ऋषभोदय में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने धर्म-सभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि- आत्मानुशासक ही श्रेष्ठ-शासक अनुशासन-प्रिय, आत्मानुशासक ही देश-राष्ट्र का सच्चा-सम्राट (शासक) हो सकता है। राजा, सम्राट को मात्र स्वयं का ही हित नहीं सोचना चाहिए। सम्राट को मात्र स्वयं के देह-सुख, इन्द्रिय-सुख की चाह नहीं रखना चाहिए। सम्राट को देशहित, नागरिकों के हित में कार्य करना चाहिए।

जो शासक स्वयं के साथ प्रजा का भी ध्यान रखता है, उनके सुख-दु:ख में सहभागी बनता है, नागरिकों की रक्षा करता है, वही श्रेष्ठ-स्वामी होता है। जो स्वयं पर अनुशासन कर लेता है, वही दुनिया पर शासन कर सकता है।

अनुशासन-प्रियता ही सज्जनता की पहचान

सज्जन-व्यक्ति ही अनुशासन-प्रिय हो सकता है। जो अनुशासन-प्रिय होता है, वही जीवन में सफलताएँ, प्रशंसा, सुख एवं शांति प्राप्त करता है। अनुशासन सिद्धि का साधन है। अनुशासन से ही व्यक्ति के कुल की पहचान होती है। अनुशासन-प्रिय कुलीन-पुरुष ही होते हैं। सज्जन, कुलीन-पुरुष विपत्ति आने पर भी अपना अनुशासन नहीं छोड़ते हैं।

प्रतिकूल मित्र, अनुकूल शत्रु

मित्र भी प्रतिकूल हो सकता है, शत्रु भी अनुकूल हो सकता है। जो मित्र कु-मार्ग पर लगाए, वह प्रतिकूल मित्र है, जो शत्रु कुकर्मों से बचा ले, वह अनुकूल शत्रु है।

CAIT व आयकर विभाग की संयुक्त पहल एक साथ व्यापारियों से सीधा संवाद

■ प्रदेश के विभिन्न जिलों में वरिष्ठ अधिकारी व्यापारियों से करेंगे सीधा संवाद : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ में व्यापारियों और विभाग के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं सकारात्मक संवाद को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) छत्तीसगढ़ एवं आयकर विभाग द्वारा प्रदेश स्तरीय 'व्यापारी कर संवाद' का आयोजन 2 सितंबर (बुधवार) को किया जा रहा है।

'एक प्रदेश - एक दिन - एक संवाद' की संकल्पना के साथ आयोजित यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में पहली बार प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ, एक ही दिन और एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से आयकर विभाग के अधिकारी सीधे व्यापारियों से संवाद कर उन्हें कर संबंधी जानकारी, जागरूकता, मार्गदर्शन तथा उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं के समाधान से जोड़ेंगे।

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह: धान, अरहर एवं मक्का फसल की नियमित निगरानी करें किसान

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी कृषि मौसम सलाह के अनुसार आगामी दिनों में आकाश में बादल छाए रहने तथा हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वर्तमान मौसम में खेतों में पर्याप्त नमी एवं अनुकूल वातावरण के कारण धान की फसल में कीट एवं रोगों के प्रकोप की संभावना बढ़ सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, भाटापारा एवं कृषि विभाग, जिला बलौदाबाजार द्वारा जिले के किसानों को अपनी फसलों की नियमित निगरानी करने तथा कीट एवं रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही समय पर वैज्ञानिक एवं अनुशंसित प्रबंधन उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

किसानों को विशेष रूप से धान के खेतों में पौधों की पत्तियों, तनों तथा नई बढ़वार का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने की आवश्यकता है। खेत में एक स्थान पर खड़े होकर फसल देखने के बजाय अलग-अलग स्थानों से पौधों का निरीक्षण करने से कीटों के प्रारंभिक प्रकोप की पहचान आसानी से की जा सकती है। समय रहते कीट की पहचान एवं उचित प्रबंधन करने से अनावश्यक कीटनाशक उपयोग से बचते हुए फसल को संभावित नुकसान से सुरक्षित रखा जा सकता है।

पत्ती लपेटक कीट की पहचान और समय पर प्रबंधन आवश्यक

धान में पत्ती लपेटक कीट का प्रकोप होने पर इसकी सूंडियां पत्तियों को लंबाई में मोड़कर अथवा लपेटकर उनके भीतर छिप जाती हैं। इसके बाद सूंडियां पत्ती के हरे भाग को खुरचकर खाती हैं। प्रभावित पत्तियों पर सफेद धारियां अथवा झिल्ली जैसे लंबे निशान दिखाई देने लगते हैं।

डी.के. कॉलेज में रोजगार मेला का आयोजन 9 सितम्बर को, 557 पदों पर होगी भर्ती

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा शासकीय डी.के. कॉलेज बलौदाबाजार में 9 सितम्बर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जायेगा। इस रोजगार मेले मे लगभग 557 पदों पर विभिन्न निजी नियोजकों द्वारा नियुक्ति दी जाएगी। जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी क्षेत्र के नियोजक अमित एजेंसी बलौदाबाजार द्वारा कम्प्युटर ऑपरेटर के 3 पद, सेल्स एग्जीक्यूटिव के 4 पद, शैक्षणिक योग्यता बारहवीं, डीसीए एवं उच्च, उम्र 18 से 30 वर्ष, अनुभव 0 से 1 वर्ष, वेतन पदानुसार 8 हजार से 15 हजार रूपये देय एवं कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। कनिका आटोमाबाईल प्रा.लि. बलौदाबाजार द्वारा रोल्स एग्जीक्यूटिव के 7 पद तकनीशियन के 2, शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आईटीआई उम्र 18 से 35 वर्ष अनुभव 0-1 वर्ष, वेतन 10 हजार से 15 हजार रूपए, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार, पलारी, सिमगा होगा। भारतीय जीवन बीमा बलौदाबाजार द्वारा बीमा राखी के 40 पद, उम्र 23 से 50 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10वीं से उच्च, वेतन 7 हजार से 12 हजार रूपए, इन्सेटिव एवं कमिशन कार्यक्षेत्र भाटापारा, बलौदाबाजार, सिमगा होगा। किरण एग्रीकल्चर बलौदाबाजार द्वारा सेल्स एग्जीक्यूटिव के 5 पद, शैक्षणिक योग्यता 12वीं से स्नातक उत्तीर्ण, उम्र 18 से 36 वर्ष, अनुभव 0 से 1 वर्ष, वेतन 8 हजार से 10 हजार रूपए तक कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा।

अवैध व्यवसायिक परिसरों को ताला लगाकर सीलबंद की कार्रवाई

■ सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश पर कार्रवाई

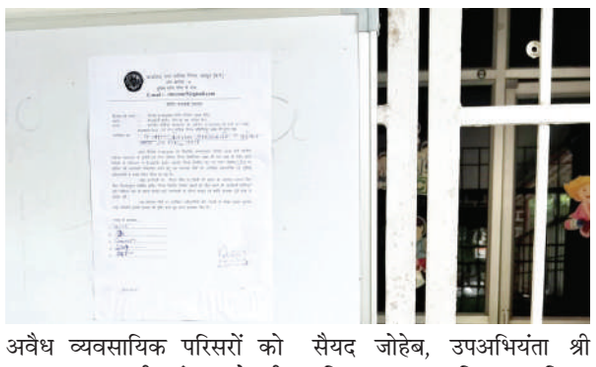

रायपुर (विश्व परिवार)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा - निर्देश अनुसार आज रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक 9 अंतर्गत पण्डित मोतीलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 9 क्षेत्र अंतर्गत व्हीआईपी स्टेटस में अशोका रतन के सामने आवासीय क्षेत्र में बिना अनुमति अवैध रूप से व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे सम्बंधित व्यवसायियों के सम्बंधित अवैध व्यवसायिक परिसरों को नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत नोटिस जारी करने के बावजूद व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन बंद नहीं किये जाने पर सम्बंधित व्यवसायियों के आवासीय क्षेत्र में बिना अनुमति अवैध व्यवसायिक परिसरों को ताला लगाकर सीलबंद करने की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अभियान चलाकर रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार और नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, सहायक अभियंता श्री सैयद जोहेब, उपअभियंता श्री रविप्रभात साहू सहित नगर निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता की टीम और रायपुर जिला पुलिस कमिश्नरेट की टीम की स्थल पर उपस्थिति में की गयी. अभियान के अंतर्गत सीलबंद की कार्रवाई स्थल पंचनामा की कार्रवाई की जाकर नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत की गयी।

सुख की तलाश में ही छिपा है दुख, प्रवचन को केवल सुनें नहीं, जीवन में उतारें : साध्वी मंजुलाश्रीजी

■ तपस्वियों के सम्मान में दादाबाड़ी में गूंजेंगे भक्ति के सुर, 6 सितंबर को 'मेहंदी सांझ'

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास 2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कहा कि जीवन में शुभ कर्म सुख का कारण बनते हैं, जबकि अशुभ कर्म दुख की ओर ले जाते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि जिसे हम सुख समझ रहे हैं, कई बार वही आगे चलकर दुख का कारण बन जाता है।

साध्वीश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब हम किसी शादी या पार्टी में जाते हैं और गुलाब जामुन खाते हैं तो हमें उसका स्वाद सुख देता है। उसी सुख को पाने के लिए हम एक के बाद एक गुलाब जामुन खाते जाते हैं। जब बहुत ज्यादा खा लेते हैं तो मन कहता है कि अब आखिरी वाला नुकसान करेगा, अब नहीं खाना चाहिए। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि नुकसान केवल आखिरी गुलाब जामुन से नहीं, बल्कि पहले से ही शुरू हो चुका था। इसी तरह संसार में भी हम सुख के पीछे भागते हुए यह भूल जाते हैं कि हमारी इच्छाएं कब दुख का कारण बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि सुख की कोई निश्चित परिभाषा नहीं है। जिस वस्तु या परिस्थिति को हम सुख मानते हैं, वही दूसरी परिस्थिति में दुख का कारण बन सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम सुख की वास्तविकता को समझें और अपने कर्मों तथा परिणामों पर ध्यान दें।

साध्वीश्री ने श्रद्धालुओं से कहा कि प्रवचन केवल सुनने के लिए नहीं होते। प्रवचन के बाद उस पर चिंतन होना चाहिए और चिंतन के बाद उसे जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। यदि हम प्रतिदिन धर्म की बातें सुनते रहें, लेकिन अपने व्यवहार और विचारों में कोई परिवर्तन न लाएं तो केवल श्रवण से आत्मकल्याण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमें यह विचार करना चाहिए कि आज हमने क्या सुना, उसमें से अपने जीवन में क्या अपनाया और अपने भीतर कौन सा परिवर्तन लाया। यही चिंतन धीरे-धीरे व्यक्ति को आत्मकल्याण की दिशा में आगे ले जाता है।

यह आयोजन परम पूज्य कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका प्रवर्तिनी महोदया निपुणाश्रीजी म.सा. की विदुषी शिष्या एवं प्रवचन प्रभाविका परम पूज्य साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा एवं प्रेरणा में चल रहा है।

इस अवसर पर आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास समिति के अध्यक्ष बसंत लोढ़ा, महासचिव मुकेश निमाणी एवं कोषाध्यक्ष चिंतन मालू सहित श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अभय कुमार भंसाली, ट्रस्टी नरेश बैदमुथा, राजेंद्र गोलछा एवं उज्ज्वल झाबक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने कलेक्टर को बांधी राखी, स्नेह का दिया संदेश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर मनोविकास केन्द्र के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर कुलदीप शर्मा से मुलाकात की और उन्हें रक्षासूत्र बांधा।इस अवसर पर बच्चों ने अपने हाथों से तैयार किया गया स्नेह से भरा विशेष उपहार भी कलेक्टर को भेंट किया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए उपहार की सराहना की और उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर बच्चों में खुशी और उत्साह देखने को मिला तथा उनके रचनात्मक कार्यों और प्रतिभा को प्रोत्साहन मिला।कलेक्टर ने बच्चों के साथ आत्मीय पल बिताए और उनकी प्रतिभा व लगन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन बच्चों में असीम क्षमताएं हैं और इन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने व उचित अवसर प्रदान करने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अगस्त 2026 में 5.79 लाख यूनिट की बिक्री दर्ज की

गुरुग्रामः होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट। लिमिटेड (HMSI) ने अगस्त 2026 में कुल 5.79 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अगस्त 2025 में बेची गई 5.34 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 8ब की बढ़ोतरी है। अगस्त 2026 में घरेलू बिक्री 5.17 लाख यूनिट्स रही, जो अगस्त 2025 में बेची गई 4.81 लाख यूनिट्स से 8% अधिक है। अगस्त 2026 में एक्सपोर्ट 0.61 लाख यूनिट्स रहा, जो अगस्त 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.53 लाख यूनिट्स की तुलना में 15% अधिक है। FY27 (अप्रैल-अगस्त 2026) के साल-दर-साल के समय के लिए, HMSI ने कुल 27.33 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान बेची गई 24.25 लाख यूनिट्स से 13% अधिक है। अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 24.07 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान बेची गई 21.76 लाख यूनिट्स की तुलना में 11% अधिक है। अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान एक्सपोर्ट 3.26 लाख यूनिट्स रहा, जो अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान एक्सपोर्ट की गई 2.49 लाख यूनिट्स से 31% अधिक है। अगस्त 2026 के दौरान, एचएमएसआई ने देशभर में अपने 7,000 से अधिक टचपॉइंट्स के नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों तक अपनी पहुँच को और मजबूत किया तथा विश्वसनीय मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखा।

छत्तीसगढ़ में आपूर्ति बाधित होने पर चिंता जताई

रायपुर : दुनिया की अग्रणी बीयर मैन्यूफैक्चरर्स में से एक ने छत्तीसगढ़ में आपूर्ति बाधित होने पर चिंता जताई है। मौजूदा समस्या के कारण कंपनी पूरी तरह तैयार होने के बावजूद राज्य में मांग को पूरा करने लायक उत्पाद नहीं पहुंचा पा रही है। इस वजह से लोकप्रिय बीयर ब्रांड्स बडवाइजर, बडवाइजर मैग्नम, कोरोना और हूगार्डन फिलहाल छत्तीसगढ़ में कहीं भी उपलब्ध नहीं हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'हम राज्य सरकार के अधिकारियों और एक्साइज अधिकारियों का सम्मान करते हैं और सभी संबंधित पक्षों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही हमारा मानना है कि उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने, उपभोक्ताओं की पसंद एवं बेहतर कारोबारी माहौल के लिए पारदर्शी एवं भेदभाव से रहित आवंटन प्रक्रिया जरूरी है।' इन ब्रांड्स के उपलब्ध नहीं होने से उपभोक्ताओं के पास विकल्प कम हो गए हैं और राज्य को प्रीमियम ग्लोबल ब्रांड्स से मिलने वाले राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। कंपनी की तरफ से यह जानकारी ऐसे समय में दी गई है, जबकि राज्य में कई उपभोक्ता एवं पर्यटक इन लोकप्रिय ब्रांड्स के मिलने में मुश्किल होने की शिकायत कर रहे थे। वहीं पूरे राज्य में स्थानीय ब्रांड्स की पूरी उपलब्धता है।

यह समस्या सिर्फ राज्य में ब्रांड्स की उपलब्धता से जुड़ी है। इसका प्रोडक्ट क्वालिटी, सेफ्टी या मांग से कोई संबंध नहीं है। एक ओर जहां छत्तीसगढ़ में एलोकेशन ऑर्डर्स नहीं होने के कारण मार्केट में प्रोडक्ट सप्लाई में दिक्कत आ रही है, वहीं अन्य राज्यों के उपभोक्ताओं के लिए ये ब्रांड अभी भी आसानी से उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ के उपभोक्ताओं के लिए भी जल्द ही उनके पसंदीदा ग्लोबल ब्रांड्स उपलब्ध होने की उम्मीद है।

तालाब की मेड़ पर 5 लाख का 'डिजिटल सेंटर'!

गांव से दूर सुविधा केंद्र बनाने की जिद क्यों? सरकारी जमीन होते हुए तालाब की मेड़ ही क्यों चुनी गई?

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत आमदी में खनिज न्यास निधि से करीब पांच लाख रुपये की लागत से बन रहा अटल डिजिटल सुविधा केंद्र निर्माण से पहले ही सवालों के घेरे में आ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में उपयुक्त सरकारी जमीन उपलब्ध होने के बावजूद सुविधा केंद्र का निर्माण तालाब की मेड़ पर कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब केंद्र का उद्देश्य आम लोगों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना है, तो उसे मुख्य आबादी से दूर बनाने का निर्णय किस आधार पर लिया गया, यह स्पष्ट होना चाहिए।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के जरिए ग्रामीणों को विभिन्न डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना है। लेकिन आमदी के ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल गांव की मुख्य आबादी से काफी दूर है। ऐसे में बुजुर्गों, महिलाओं और जरूरतमंद ग्रामीणों को डिजिटल सेवाओं के लिए बार-बार दूर जाना पड़ सकता है।

ग्रामीणों का सवाल है कि जब सुविधा ग्रामीणों को देनी है तो केंद्र गांव के बीच या ऐसी जगह क्यों नहीं बनाया गया, जहां अधिक से अधिक लोग आसानी से पहुंच सकें? क्या स्थल चयन से पहले ग्रामीणों की सुविधा को लेकर कोई सर्वे किया गया था? क्या ग्राम पंचायत ने वैकल्पिक सरकारी जमीन तलाशने की कोशिश की थी?

बताया जा रहा है कि भवन का निर्माण तालाब की मेड़ पर कराया जा रहा है। इससे तालाब की संरचना, मेड़ की मजबूती और भविष्य में जलभराव की स्थिति में भवन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

एक तरफ शासन-प्रशासन तालाबों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और अतिक्रमण रोकने पर जोर देता है, वहीं दूसरी ओर सरकारी राशि से तालाब की मेड़ पर भवन निर्माण कराया जाना ग्रामीणों की समझ से परे है।

ग्रामीणों का सवाल है कि क्या निर्माण शुरू करने से पहले तालाब की भूमि और मेड़ की तकनीकी जांच कराई गई? क्या भवन निर्माण के लिए संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति ली गई? क्या स्थल का तकनीकी परीक्षण हुआ? यदि ये प्रक्रियाएं पूरी नहीं हुईं तो करीब पांच लाख रुपये के निर्माण की स्वीकृति किस आधार पर दी गई?

ग्रामीणों के अनुसार आमदी में सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन सरकारी जमीनों का विधिवत चिन्हांकन कराए तो गांव में ही डिजिटल सुविधा केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान मिल सकता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि गांव में सरकारी जमीन उपलब्ध है या उपलब्ध कराई जा सकती है, तो तालाब की मेड़ को ही निर्माण स्थल क्यों चुना गया? क्या जमीन चयन की प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन हुआ? क्या ग्राम सभा में स्थल चयन को लेकर चर्चा हुई? क्या ग्रामीणों की राय ली गई?

खनिज न्यास निधि का उद्देश्य क्षेत्र के विकास और आम लोगों की सुविधा से जुड़े कार्यों पर राशि खर्च करना है। ऐसे में इस निधि से बनने वाले भवन का अधिकतम लाभ ग्रामीणों को मिलना चाहिए।

लेकिन यदि सुविधा केंद्र ऐसी जगह बनाया जा रहा है, जहां ग्रामीणों की पहुंच कठिन है, तो सरकारी राशि के उपयोग और योजना की वास्तविक उपयोगिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि केंद्र निर्माण से संबंधित स्वीकृति आदेश, स्थल चयन की प्रक्रिया, तकनीकी स्वीकृति, भूमि संबंधी दस्तावेज, निर्माण एजेंसी, अनुमानित लागत और भुगतान की स्थिति सार्वजनिक की जाए।

मामला केवल पांच लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण का नहीं है, बल्कि सरकारी योजना की उपयोगिता और सरकारी भूमि के इस्तेमाल से भी जुड़ा है। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण कर यह स्पष्ट करे कि तालाब की मेड़ पर निर्माण नियमों के अनुरूप है या नहीं।

साथ ही निर्माण स्थल की भूमि का रिकॉर्ड, तकनीकी स्वीकृति और स्थल चयन की पूरी प्रक्रिया की जांच की जाए। यदि निर्माण नियमों के अनुसार हो रहा है तो जिम्मेदार अधिकारी दस्तावेजों के साथ स्थिति स्पष्ट करें। वहीं, यदि नियमों की अनदेखी हुई है तो सरकारी राशि का पूरा उपयोग होने से पहले निर्माण स्थल को लेकर उचित निर्णय लिया जाए।

साइबर सिक्योरिटी की विशेष मुहिम, साइबर अपराध मुक्त बस्तर के लिए छेड़ा जागरूकता अभियान

जगदलपुर,/ बढ़ते डिजिटल लेन-देन के दौर में ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए नानगुर पुलिस ने विशेष जागरूकता मुहिम छेड़ रखी है। पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा के निर्देशानुसार थाना प्रभारी निरीक्षक श्री गणेश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्रवासियों को साइबर सुरक्षा और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति लगातार जागरूक कर रही है।

इसी क्रम में 29 अगस्त को थाना परिसर में एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के सीएससी केंद्र संचालकों और स्थानीय व्यापारियों को आमंत्रित किया गया था। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव के महत्वपूर्ण तौर-तरीके साझा किए। कार्यशाला में उपस्थित लोगों को विशेष रूप से समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पिन, पासवर्ड या बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी कभी साझा न करें। थाना स्टाफ द्वारा जागरूकता का यह दायरा केवल थाने तक सीमित न रखकर क्षेत्र के स्कूलों, हाट-बाजारों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है। पुलिस आम नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर रही है और अपील कर रही है कि किसी भी साइबर ठगी या संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस का यह व्यापक प्रयास न केवल आमजन में सतर्कता बढ़ा रहा है, बल्कि साइबर अपराध मुक्त बस्तर के संकल्प को साकार करने की दिशा में भी एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है।

किसानों की सुविधा के लिए सुकमा जिले में बढ़े धान उपार्जन केन्द्र

सुकमा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले के किसानों को धान बेचने के लिए बेहतर और सुगम सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में संचालित 25 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान की खरीदी की गई थी। किसानों की सुविधा और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक उपार्जन व्यवस्था की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के आदेशानुसार विकासखंड सुकमा के बडेसट्टी एवं बुडदी में 02 नवीन धान उपार्जन केन्द्र स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए लिए गए इस निर्णय से अब सुकमा जिले में कुल 27 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान की खरीदी की जाएगी। नवीन केन्द्रों के प्रारंभ होने से विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बलौदाबाजार जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Office Phone. :- 07727-296695 Email ID :- ee-res.abhanpur@nic.in

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना क.-11//

(प्रथम बार)

क्रमांक 2273/निविदा/ ग्रा.यां.से./2026-27 क्रमांक 2273/निविदा/ ग्रा.यां.से./2026-27

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 14.09.2026 तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं	कार्य का विवरण	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)	ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि
1	2	3	4
198499	200 मी. टन क्षमता के गोदाम सह कार्यालय भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण, सेनेटरी फिटिंग एवं बोरवेल पम्प सहित), प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति तेलासी, वि.ख. पलारी	24.94	14.09.2026

2/2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट-2.13) निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट यथा संशोधित व अन्य जानकारी बेबसाइट HTTP://EPROC.CGSTATE.GOV. IN में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 31.08.2026 से देखी जा सकती है।

(योगेश कुमार खोण्डे)
ग्रा.यां. सेवा संभाग-बलौदाबाार जिला
बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

जी- 262703057/2

19.84 किलो गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 10.52 लाख रुपये का माल जब्त

उड़ीसा से इंदागांव की ओर स्कूटी से गांजा लाने की सूचना पर पुलिस ने की घेराबंदी, एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ऑपरेशन निश्चय अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन और बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 19.840 किलोग्राम गांजा, एक स्कूटी और दो मोबाइल फोन समेत कुल 10 लाख 52 हजार रुपये का सामान जब्त किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज के निर्देश और पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के मार्गदर्शन में जिले के अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों एवं चेक पोस्टों पर संदिग्ध वाहनों की लगातार सघन जांच और निगरानी की जा रही है।

इसी क्रम में 31 अगस्त 2026 को थाना इंदागांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति नीले, काले एवं हल्के हरे रंग की TVS NTORQ स्कूटी क्रमांक OD 08 AC 8586 से उड़ीसा राज्य से इंदागांव की ओर अवैध गांजा लेकर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई और घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया।

पूछताछ में स्कूटी चालक ने अपना नाम भवानी शंकर नाईक (34) पिता भारत नाईक, निवासी जयपटना गांधी ग्राम पाड़ा, थाना जयपटना, जिला कालाहांडी, उड़ीसा बताया। वहीं पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान मुकेश पटेल (34) पिता महेन्द्र पटेल, निवासी जयपटना गांधी ग्राम पाड़ा, थाना जयपटना, जिला कालाहांडी, उड़ीसा के रूप में हुई।

तलाशी के दौरान भवानी शंकर नाईक के कब्जे से काले रंग के पिट्ठू बैग में भूरे रंग के सेलो टेप से लिपटा 8.940 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत करीब 4 लाख 47 हजार रुपये, बरामद हुआ। इसके अलावा उसके कब्जे से एक TVS NTORQ स्कूटी कीमत करीब 50 हजार रुपये और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन कीमत करीब 5 हजार रुपये जब्त किया गया।

इसी तरह मुकेश पटेल के कब्जे से नेवी ब्लू रंग के पिट्ठू बैग में दो पैकेट में रखा 10.900 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत करीब 5 लाख 45 हजार रुपये, तथा एक रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन कीमत करीब 5 हजार रुपये बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 19.840 किलोग्राम गांजा जब्त किया। जब्त सामग्री की कुल कीमत 10 लाख 52 हजार रुपये बताई गई है। आरोपियों के खिलाफ धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी- भवानी शंकर नाईक, उम्र 34 वर्ष, निवासी जयपटना गांधी ग्राम पाड़ा, थाना जयपटना, जिला कालाहांडी, उड़ीसा।

मुकेश पटेल, उम्र 34 वर्ष, निवासी जयपटना गांधी ग्राम पाड़ा, थाना जयपटना, जिला कालाहांडी, उड़ीसा।

जब्त सामग्री- गांजा — कुल 19.840 किलोग्राम

ञ्ङ्कस् हञ्झक्त स्कूटी क्रमांक OD 08 AC 8586

दो मोबाइल फोन

कुल अनुमानित कीमत — 10,52,000 रुपये

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

दिनांक 27.08.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा 'डी' एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी क्र/ निविदा क्रं.	कार्य का नाम	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
NIT NO. 192 Tender No. 198388	कुरूद उपसंभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का लघुमूल गौण कार्य जमा मद।		रू 40.00 लाख
NIT NO. 193 Tender No. 198389	कुरूद उपसंभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य।	तृतीय आमंत्रण दिनांक 07.09.2026	रू 35.00 लाख
NIT NO. 194 Tender No. 198390	कुरूद उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य।		रू 20.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

जी- 262703026/1 Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़ आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा को बड़ी सौगात

■ बुंदिया और बड़सरा में खुलेंगे नए धान उपार्जन केंद्र

■ किसानों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, समय और परिवहन खर्च की होगी बचत

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम बुंदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है।

क्षेत्र के किसानों द्वारा लंबे समय से नए धान उपार्जन केंद्र खोले जाने की मांग की जा रही थी। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों एवं किसानों ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को अपनी समस्या से अवगत कराया था। किसानों ने बताया था कि वर्तमान में दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक धान ले जाने में उन्हें अतिरिक्त समय और परिवहन व्यय वहन करना पड़ता है।

किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल को पत्र लिखकर बुंदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया था। मंत्री के प्रयासों के फलस्वरूप शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी वर्षों के लिए दोनों केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी गई है।

ग्राम बुंदिया में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बतरा के अंतर्गत तथा ग्राम बड़सरा में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शिवप्रसादनगर के अंतर्गत नवीन धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

नए धान उपार्जन केंद्रों के शुरू होने से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे परिवहन, ट्रैक्टर भाड़े और अन्य खर्चों में कमी आएगी तथा किसानों के समय और श्रम की बचत होगी। स्थानीय स्तर पर धान की तुलाई एवं उपार्जन की सुविधा मिलने से खरीदी प्रक्रिया भी अधिक सुगम और सुविधाजनक होगी।

नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति से क्षेत्र के किसानों एवं ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। किसानों ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नजदीक ही धान खरीदी केंद्र उपलब्ध होने से उन्हें अपनी उपज बेचने में बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने इस निर्णय को क्षेत्र के अन्नदाताओं के हित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

ग्राम पंचायत अकोली में हरेली बर्ड फेस्टिवल का आयोजन

■ प्रोजेक्ट चहचहाट के अंतर्गत पक्षी संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का संदेश

अकोली (विश्व परिवार)। प्रोजेक्ट चहचहाट के अंतर्गत ग्राम पंचायत अकोली में हरेली बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से प्रसिद्ध पक्षी विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद् शामिल हुए। केरल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा एवं छत्तीसगढ़ से आए विशेषज्ञों ने ग्रामीणों एवं बच्चों के साथ पक्षियों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत के बच्चों एवं सदस्यों के साथ बर्ड वॉक का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की पहचान, उनके आवास तथा संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही प्रवासी पक्षियों के संरक्षण एवं जैव विविधता बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मोहित साहू, सदस्य छत्तीसगढ़ पर्यावरण, जनपद पंचायत सीईओ आशीष केशरवानी, स्त्रश्रस से नरेंद्र, ग्राम पंचायत के सरपंच उमा, राहुल वर्मा, सभी पंचगण एवं महिला समूह की सदस्य उपस्थित रहीं।

हरेली बर्ड फेस्टिवल ने बच्चों और ग्रामीणों में पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के साथ-साथ 'प्रकृति बचेगी, तभी पक्षी बचेंगे और हमारी जैव विविधता सुरक्षित रहेगी' का संदेश दिया।

एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज 2026-27: युवा मेधा के लिए ज्ञान और उत्कृष्टता का मंच

■ रायपुर क्षेत्रीय दौर 12 सितंबर, 2026 को आयोजित किया जाएगा

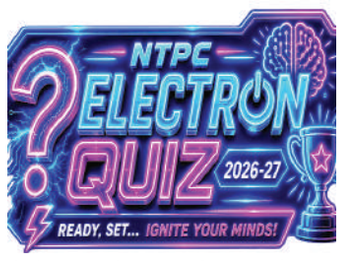

नवा रायपुर (विश्व परिवार)। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा और ज्ञान दिखाने का मौका है। एनटीपीसी ने इलेक्ट्रॉन क्विज़ 2026-27 की घोषणा की है। क्विज की शुरुआत 5 सितंबर को लखनऊ में होने वाले क्षेत्रीय दौर से होगी और इसका ग्रैंड फिनाले 8 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इस साल क्विज का आयोजन देश के नौ शहरों में किया जाएगा। इनमें लखनऊ, पटना, रांची, रायपुर, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और नोएडा शामिल हैं।

क्विज में दो छात्रों की टीम हिस्सा लेगी। इस साल प्रतियोगिता का विषय 'द वर्ल्ड ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट' रखा गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को सिर्फ अपने ज्ञान को परखने का मौका देना ही नहीं, बल्कि उनकी सोचने-समझने और सवालों का तार्किक जवाब देने की क्षमता को भी बढ़ावा देना है।

रायपुर के लिए क्षेत्रीय दौर 12 सितंबर, 2026 को, पं. जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी बाजपेयी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा । इस क्षेत्रीय दौर के लिए इच्छुक इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट स्टूडेंट अपना क्रेडेंशियल पहले से ईमेल: wrwelectronquiz@ntpc.co.in पर भेज सकते हैं। इसमें रोमांचक इनाम होंगे: जीतने वाली टीम को 60 हजार रुपये, रनर-अप को 40 हजार रुपये, और तीसरे नंबर पर आने वाली टीम को 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा । इसके अलावा चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 8 - 8 हजार रुपये का कंसोलेशन प्राइज़ मिलेगा। क्षेत्रीय मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पहुंचेंगी। प्रत्येक क्षेत्र से शीर्ष दो टीमें तीन नेशनल सेमीफाइनल में हिस्सा लेंगी। इसके बाद प्रत्येक सेमीफाइनल से दो-दो टीमें राष्ट्रीय फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

राष्ट्रीय सेमीफाइनल 7 अक्टूबर और ग्रैंड फिनाले 8 अक्टूबर 2026 को एनटीपीसी के पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (PMI), नोएडा में आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर विजेता टीम को 1 लाख रुपये, उपविजेता को 60 हजार रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 40 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 16-16 हजार रुपये मिलेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता में शामिल होने वाली अन्य 12 टीमों को भी 8-8 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

एनटीपीसी का इलेक्ट्रॉन क्विज़ पिछले दो दशक से ज्यादा समय से आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 2004 में हुई थी। इस पहल का उद्देश्य छात्रों में सीखने की रुचि और बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा देना है। समय के साथ यह प्रतियोगिता बड़े स्तर पर आयोजित होने वाला एनटीपीसी का प्रमुख छात्र-केंद्रित कार्यक्रम बन गई है।

एनटीपीसी भारत सरकार की महारत्न कंपनी है और देश की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनियों में शामिल है। कंपनी की स्थापित क्षमता 91 गीगावाट से अधिक है। एनटीपीसी ने 2032 तक 60 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही कंपनी न्यूक्लियर पावर, बैटरी एनर्जी स्टोरेज, कार्बन कैप्चर और ग्रीन केमिकल्स जैसी नई तकनीकों में भी निवेश कर रही है।

गौरीशंकर सेवा समिति की नई कार्यकारिणी गठित

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने वाली सामाजिक संस्था गौरीशंकर सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। समाजसेवी दुर्योधन पनका को समिति का अध्यक्ष चुना गया है।

नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 30 अगस्त को स्थानीय सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में हुआ। इस दौरान दुर्योधन पनका सहित समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं सेवा की शपथ दिलाई गई।

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष दुर्योधन पनका, उपाध्यक्ष गौरी नायक, सचिव दुर्गेश सिंह, कोषाध्यक्ष ममता सुनानी, महासचिव नीलम सोना, सहसचिव जगदीश सिक्का, स्वास्थ्य सचिव डॉ. गोपाल महानंद तथा कार्यकारिणी सदस्य इंदर नायक, चम्पा तांडी, सागर दीप, बबीता और हरीश बाग, शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा कि अपने लिए तो हर कोई जीता है, लेकिन दूसरों के लिए कैसे जीना है, यह गौरीशंकर सेवा समिति से सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब कई लोग सामाजिक संस्थाओं को केवल अपने स्वार्थ और प्रचार का माध्यम बना लेते हैं, ऐसे दौर में गौरीशंकर सेवा समिति निस्वार्थ सेवा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

कार्यक्रम को समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता व्यास देव भोई, गाड़ा महासभा अध्यक्ष नारायण बाघ एवं गाड़ा महासभा महिला विंग की अध्यक्ष सीमा क्षेत्रिया व विशिष्ट अतिथि के रूप में JCI पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र निहाल सहित अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

जिला चिकित्सालय के पास चला अतिक्रमण हटाव अभियान

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। बारिश में सुचारू पानी निकासी एव सुगम यातायात की दृष्टिकोण से नगर निगम द्वारा अतिक्रण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में बसंतपुर मेन रोड एवं जिला चिकित्सालय साहू समाज भवन रोड के पास से अनाधिकृत रूप से रखे ठेला हटाने की कार्यवाही निगम के अतिक्रमण दस्ता द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय बसंतपुर मेन रोड में नाला के उपर अतिक्रमण कर 4 ठेला रखा गया था, जिससे सफाई बाधित हो रही थी। इसी प्रकार जिला चिकित्सालय साहू समाज भवन की ओर अतिक्रमण कर अवैध रूप से रखे 3 बंद ठेला के कारण आवागमन बाधित होने के साथ साथ गंदगी फैल रही थी। उक्त ठेलो को अतिक्रमण हटाव अभियान के तहत निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण दस्ता ने मानव गैंग एवं जे.सी.बी. के माध्यम से हटाने की कार्यवाही किए। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी।

आयुक्त श्री मरकाम ने शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने सहयोग करने नागरिको एवं व्यापारियो से अपील करते हुये कहा है कि शहर के चैक चैराहो एवं रोड में पसरा व ठेला खोमचा न लगावे। रोड में पसरा आदि लगाने से यातायात बाधित होने के साथ साथ दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसी प्रकार अतिक्रमण करने से पानी निकासी प्रभावित होती है। साथ ही सडक में मलमा या मटेरियल रखने से गंदगी फैलती है। उन्होने कहा कि निगम का अतिक्रमण दस्ता हटाने की कार्यवाही करेगी उससे पूर्व हटा लेवे अन्यथा बिना सूचना हटाकर जुर्माना वसूला जावेगा।

कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 4 सितम्बर को मटन मार्केट बंद

राजनांदगांव। राज्य शासन के आदेशानुसार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 4 सितम्बर दिन शुक्रवार को नगर निगम सीमाक्षेत्र स्थित पशुवध गृह एवं मटन मार्केट पूर्णरूपेण बंद रहेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर पशुवध एवं विक्रय कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित सुनिश्चित करने कहा है। आयुक्त श्री मरकाम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुये कहा है कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन मांस विक्रय करते पाये जाने पर मांस जप्त करने एवं संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही करते हुये 5 हजार रूपये तक जुर्माना वसूल करे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के गुजरात अध्ययन दौरे के तहत सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अहमदाबाद स्थित विश्वस्तरीय वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारियों, खेल सुविधाओं के विस्तार तथा स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) की सहभागिता पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।

लगभग 21 एकड़ में 825 करोड़ रुपए की लागत से विकसित यह आधुनिक परिसर अत्याधुनिक एक्वेटिक्स सेंटर, इंडोर मल्टी-स्पोर्ट्स एरिना, आउटडोर जोन और 'फिट इंडिया' जोन जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, जब सरकार, समाज और निजी क्षेत्र मिलकर खेलों में निवेश करते हैं, तो केवल स्टेडियम नहीं बनते बल्कि देश के लिए नए चैंपियन तैयार होते हैं। यह परिसर राष्ट्रमंडल खेल 2030 और 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत के संकल्प को सशक्त आधार प्रदान करेगा। खेल का मैदान जितना मजबूत होगा, भारत के पदकों का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।

रायपुर कमिश्नरेट में कोई सुरक्षित नहीं कब कहा किसकी हत्या हो जाये कहा नहीं सकता : कांग्रेस

■ 6 दिन में गैंगवार के कारण 2 हत्यायें राजधानी में दहशत

■ तीन साल पहले तक शांत और सुरक्षित राजधानी में 25 दिन में 16 मर्डर

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी में रोज हो रही हत्यायें चिंताजनक है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर कमिश्नरेट सहित प्रदेश में कोई भी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। किसकी कब कहां हत्या हो जाये कहा नहीं जा सकता है। बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था के कारण रायपुर शहर तो आदमियों की कत्लगाह बन चुका है। रायपुर में आदमी गाजर मूली की तरह काटे जा रहे है न सरकार को कोई चिंता है और न ही पुलिस को पुलिस केवल अपराध के आंकड़ो का झुठलाने और गृहमंत्री कोरी बयान बाजी में लगे हे।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि तीन साल पहले शांत और सुरक्षित राजधानी में 25 दिन में 16 मर्डर हो गये तथा पिछले 4 दिनों में गैंगवार के कारण 2 हत्याएं हो गयी। सरकार और पुलिस मूक दर्शक बनी हुई। कुछ दिन पहले राजधानी में महिला को रास्ते में रोक कर हत्या कर दी गई उसके बाद उसके शव के साथ दुष्कर्म हो गया। पिछले हफ्ते एक महिला के साथ एक दिन में दो बार गैंग रैप हो गया। राजनांदगांव के चिखली में एक व्यक्ति की घर में घुस कर हत्या हो गई। रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है।

मध्य प्रदेश में जीके इलेक्ट्रिक का पहला COCO आउटलेट जबलपुर में शुरू

■ पैसेंजर एवं कार्गो इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर की पूरी रेंज के साथ अत्याधुनिक शोरूम और वर्कशॉप

जबलपुर (विश्व परिवार)। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सेगमेंट में तेजी से अपनी पहचान बना रही जीके इलेक्ट्रिक ने मध्य प्रदेश में अपने विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य का अपना पहला 'कंपनी ओन्ड, कंपनी ऑपरेटेड' (COCO) आउटलेट जबलपुर में शुरू किया है।

जबलपुर में स्थापित यह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट शोरूम ग्राहकों को एक आधुनिक और प्रीमियम अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां GK Electric के पैसेंजर एवं कार्गो इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। इसके साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए अत्याधुनिक एवं समर्पित वर्कशॉप और आफ्टर-सेल्स सर्विस सुविधा भी एक ही परिसर में उपलब्ध है।

यह नया COCO आउटलेट ग्राहकों को वाहन खरीद से लेकर सर्विस एवं आफ्टर-सेल्स सपोर्ट तक एक संपूर्ण इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पहली गाड़ी की डिलीवरी के साथ ऐतिहासिक शुरुआत

जबलपुर COCO आउटलेट के शुभारंभ के साथ ही जीके इलेक्ट्रिक ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। नए आउटलेट से पहली गाड़ी की डिलीवरी श्री निर्मल चैपल को की गई। जीके इलेक्ट्रिक के लिए यह क्षण विशेष महत्व रखता है, क्योंकि श्री निर्मल चैपल न केवल इस नए आउटलेट के पहले ग्राहक बने, बल्कि जीके इलेक्ट्रिक को उन्हें जबलपुर COCO आउटलेट की पहली गाड़ी सौंपने का गौरव भी प्राप्त हुआ। यह पहली डिलीवरी जबलपुर एवं पूरे मध्य प्रदेश में जीके इलेक्ट्रिक की नई यात्रा की एक शानदार शुरुआत का प्रतीक है।

पैसेंजर से लेकर कार्गो तक - हर जरूरत के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी

जबलपुर स्थित नए आउटलेट पर जीके इलेक्ट्रिक की पैसेंजर एवं कार्गो 3-व्हीलर की पूरी रेंज प्रदर्शित की जाएगी, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत और व्यवसाय के अनुरूप सही वाहन का चयन कर सकेंगे। इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स की बढ़ती मांग को देखते हुए जीके इलेक्ट्रिक का उद्देश्य ग्राहकों को ऐसे वाहन उपलब्ध कराना है, जो कम रनिंग कॉस्ट, बेहतर ऑपरेशनल इकोनॉमी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार मोबिलिटी का बेहतर विकल्प प्रदान करें। विशेष रूप से लास्ट-माइल डिलीवरी, माल परिवहन, व्यापारिक उपयोग, पैसेंजर ट्रांसपोर्ट और विभिन्न कमर्शियल जरूरतों के लिए इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स तेजी से एक प्रभावी विकल्प बन रहे हैं।

झीरम नरसंहार पर बघेल ने केवल राजनीति की: भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की झीरम घाटी नरसंहार के प्रति कभी कोई वास्तविक संवेदना नहीं रही बघेल और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए श्री पाण्डेय ने कहा कि बघेल पूरे 5 साल केवल जेब से पर्ची निकालकर सबूत जेब में होने का नाटक करते रहे, लेकिन कभी उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए और फिर सत्ता में आने के बाद बघेल लगातार कहते रहे कि झीरम घाटी हमले के सबूत उनकी जेब में हैं। लेकिन पाँच साल तक पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने के बावजूद उन्होंने कभी वह सबूत अदालत के सामने पेश नहीं किया।

कार्यालय नगर पंचायत शिवनंदनपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

क्रमांक /8/3/लो. नि./न.पं. /2026-27 — शिवनंदनपुर, दिनाक - 31/08/2026

प्रथम ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (संशोधित)

नगर पंचायत शिवनंदनपुर क्षेत्र अंतर्गत एम.आर.एफ एवं कम्पोस्ट निर्माण कार्य कराया जाना है। इस हेतु लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों/निविदाकारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

System Tender No.	Estimated Amount (Lakh) (Rs.)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date and Time (Modified)	Bid Due Date and Time Submission Date and Time (Modified)	Physical Document	Bid Open Date and Time (Modified)
197116	49.12	24600.00	07/08/2026 After 17.30 PM	03/09/2026 Before 17:30 PM	07/09/2026 Before 14:00 PM	07/09/2026 After 15.00 PM

टीप:-
01. उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेत व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https:cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
02. विज्ञापन की प्रति cg.uad.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत शिवनंदनपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 02 सितम्बर 2026

सड़क सुरक्षा के मद्देनजर राजनांदगांव पुलिस की पहल

राजनांदगांव। बारिश के मौसम में सड़कों पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी के कारण होने वाली दुर्घटनाओं एवं जनहानि की आशंका को ध्यान में रखते हुए राजनांदगांव पुलिस द्वारा गौवंश को सड़कों से हटाया गया। पुलिस द्वारा यथासंभव ऐसे स्थानों की पहचान कर मवेशियों को सुरक्षित रूप से सड़क से हटाने की कार्रवाई की जा रही है। विशेषकर रात्रि के समय सड़कों पर गौवंश के मौजूद रहने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। बारिश के दौरान सड़कें गीली होने तथा दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राजनांदगांव पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि बारिश एवं रात्रि के समय वाहन धीमी गति से एवं अत्यंत सावधानीपूर्वक चलाएं, सड़क पर मवेशी दिखाई देने पर गति नियंत्रित करें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

राष्ट्रपति से भेंट कर लौटे प्रतिभावान विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री साय से की सौजन्य मुलाकात

■ राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की प्रतिभा और समृद्ध लोक संस्कृति की विद्यार्थियों ने छोड़ी अमिट छाप

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट कर लौटे छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सौजन्य मुलाकात की। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को राष्ट्रपति भवन की अपनी यादगार यात्रा और राष्ट्रपति महोदया के साथ हुए आत्मीय संवाद के अनुभव सुनाए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को इस विशेष अवसर के लिए बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना अपने आप में गौरव की बात है। प्रदेश के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक प्रस्तुति से छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मिलना उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहा। राष्ट्रपति महोदया ने उनसे सहजता और आत्मीयता के साथ बातचीत की तथा उनकी शिक्षा, रुचियों और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जाना। विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति भवन के भ्रमण और वहां बिताए क्षणों से जुड़े अपने अनुभव भी मुख्यमंत्री के साथ साझा किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे बच्चों में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। उन्हें सही अवसर, प्रोत्साहन और मंच मिले तो वे हर क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकते हैं। ऐसे अवसर विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनके सपनों को नई ऊंचाई देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पूरी लगन और मेहनत के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखने तथा जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट और संवाद का विशेष अवसर प्राप्त हुआ था। इस अवसर पर राष्ट्रपति महोदया ने विद्यार्थियों से आत्मीयतापूर्वक बातचीत की। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रपति भवन में इस मुलाकात का एक अत्यंत भावुक और यादगार क्षण उस समय आया, जब राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने CWSN (Children with Special Needs) विद्यार्थी नुकेश कुमार वर्मा को स्वयं राखी बांधी। राष्ट्रपति महोदया का यह आत्मीय स्नेह नुकेश के साथ ही वहां उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भी जीवनभर संजोकर रखने वाली स्मृति बन गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति की सुंदर झलक भी राष्ट्रपति भवन में देखने को मिली। छात्राओं ने प्रदेश के पारंपरिक सुवा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा, गीत-संगीत और सांस्कृतिक सौंदर्य से सजी इस प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रस्तुति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह विशेष रूप से प्रसन्नता की बात है कि प्रदेश के बच्चों ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा से जुड़े राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की प्रतिभा के साथ उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी सुंदर परिचय दिया। उन्होंने कहा कि हमारी लोक संस्कृति हमारी पहचान और हमारी अमूल्य धरोहर है। नई पीढ़ी जब इसे आत्मसात कर देश के प्रतिष्ठित मंचों पर प्रस्तुत करती है, तो हमारी परंपराओं को नई ऊर्जा और व्यापक पहचान मिलती है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि राष्ट्रपति महोदया से प्राप्त प्रोत्साहन और इस यात्रा से मिले अनुभव को वे अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा बनाएं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को बड़ा रखें, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और अपनी उपलब्धियों से परिवार, प्रदेश और देश को गौरवान्वित करें।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट करने वाले विद्यार्थियों में नारायणपुर जिले की राजवती पोयाम, सुकमा जिले के हिमांशु ठाकुर, दुर्ग जिले की पायल राजानी, महासमुंद जिले की रागनी साहू, रायपुर जिले के नुकेश कुमार वर्मा तथा महासमुंद जिले के दुर्गेश साहू एवं डिगेश सेन शामिल थे।

इस अवसर पर डॉ. मुक्ति बैस, राज्य नोडल अधिकारी, समग्र शिक्षा, रायपुर तथा श्री चंद्रशेखर मिथलेश, व्याख्याता (भौतिकी), शासकीय आशी बाई गोलछा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महासमुंद भी उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार, जल्द लौटेंगे कार्यकर्ताओं के बीच : मिश्रा

■ वर्चुअल बैठकों के जरिए लगातार संगठन का कर रहे मार्गदर्शन, 'हर घर तिरंगा' और 'मन की बात' जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में रहे सक्रिय

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है और वे बहुत जल्द पूरी सक्रियता के साथ सीधे कार्यकर्ताओं के बीच लौटेंगे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि अस्वस्थ होने के बावजूद वे संगठन के कामकाज से पूरी तरह जुड़े हुए हैं और लगातार डिजिटल माध्यमों से पार्टी की सभी गतिविधियों का संचालन व मार्गदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव प्रदेश कार्यालय में आयोजित होने वाली तमाम महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकों में नियमित रूप से ऑनलाइन जुड़ रहे हैं। 'हर घर तिरंगा' अभियान और 'तिरंगा यात्रा' कार्यक्रमों में उनकी सक्रियता कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरक रही, वहीं पार्टी के आगामी अभियानों की रूपरेखा तय करने और कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए वे पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। श्री देव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को भी सुना और देशहित में किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया। संगठन के सभी अभियानों की लगातार मॉनीटरिंग कर रहे प्रदेश अध्यक्ष श्री देव जल्द ही पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे, जिसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने चिकित्सकीय बुलेटिन के हवाले से जानकारी देते हुए बताया कि श्री देव के कमर के ऊपरी हिस्से में किसी प्रकार की कोई चोट नहीं लगी थी। कमर के निचले हिस्से में एक छोटा सा फ्रैक्चर था, जिसके उपचार हेतु एक छोटी-सी सफल सर्जरी की गई थी।

प्रदेश में मजबूत हो रहा पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क, बेमेतरा में नया 132 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत

■ 80 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति होगी मजबूत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बेमेतरा जिले के बेतर (दाढ़ी) में नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र का आज प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने ऊर्जीकरण किया। उपकेंद्र में स्थापित 40-40 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफार्मरों को भी सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। दोनों ट्रांसफार्मरों के ऊर्जीकरण से उपकेंद्र में कुल 80 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी उपलब्ध हुई है।

नए उपकेंद्र के निर्माण से बेमेतरा जिले के 72 तथा कवर्धा के 25 गांवों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन संभव होगा तथा क्षेत्र में घरेलू, कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। नए उपकेंद्र की कुल परियोजना लागत लगभग 19 करोड़ रुपये है।

इस उपकेंद्र को विद्युत आपूर्ति से जोड़ने के लिए 220 केवी उपकेंद्र गेन्दपुर से 132 केवी उपकेंद्र जाने वाली पारेषण लाइन को LILO (Loop In Loop Out) किया गया है। इसके लिए लगभग 8.8 करोड़ रुपये की लागत से 5 किलोमीटर नई पारेषण लाइन का निर्माण किया गया। इस व्यवस्था से नए उपकेंद्र को पारेषण नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता एवं पारेषण क्षमता में वृद्धि होगी।

प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने उपकेंद्र के ऊर्जीकरण पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए पारेषण नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है। नए उपकेंद्रों एवं पारेषण लाइनों के निर्माण से न केवल वर्तमान विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति में सुविधा होगी, बल्कि भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत भार के लिए भी आवश्यक अधोसंरचना तैयार होगी।

मिनरल नीलामी रोड शो संसाधनों की लूट की गति बढ़ाने और बांकी बचे खनिजों को लुटाने की कवायद

■ छत्तीसगढ़ के संसाधनों की सरेआम लूट, 'मित्रों' को फायदा पहुंचाने कोयला खदानों को कौड़ियों के भाव बेच रहे

रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर में आयोजित क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी के रोड शो को चंद पूंजीपतियों के दबाव में छत्तीसगढ़ के संसाधनों की लूट की गति बढ़ाने और बांकी बचे खनिजों को लुटाने की कवायद करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इस प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि केंद्र व राज्य सरकारें क्रिटिकल खनिजों जैसे लिथियम, नीकल, क्रोमियम, ग्रेफाइट आदि की खुली नीलामी के नाम पर बड़े निजी और कॉरपोरेट मित्रों को फायदा पहुँचाने का षडयंत्र कर रही हैं। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बिना चर्चा के संसद में हाल ही में पारित एमएमडीआर (MMDR) संशोधन अधिनियम के जरिए राज्यों के खनिज अधिकारों पर अतिरिक्त कर, सेस या लेवी लगाने के अधिकार सीमित किए गए हैं, नीलामी का रोड शो उन्हीं कॉर्पोरेट परस्त नीतियों का हिस्सा है, इससे छत्तीसगढ़ जैसे समृद्ध राज्य के राजस्व को भारी नुकसान होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार का कमर्शियल माइनिंग का फैसला ही देश और देश के सरकारी नवरत्न खनन कंपनियों के आर्थिक हितों के खिलाफ है। सरकारी नवरत्न कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के द्वारा जारी 'कोल विजन 2030' रिपोर्ट और कॉमर्शियल माइनिंग के सरकारी आकड़े इस सरकार के क्रोनी कैपिटलिज्म का सबसे बड़ा उदाहरण है। केंद्र की मोदी सरकार ने तमनार (रायगढ़) की जमीन, जंगलों और जल-जंगल-जमीन पर निर्भर आदिवासियों के अधिकारों को कुचलकर कॉर्पोरेट मुनाफे को प्राथमिकता दी है।

आईआईटी भिलाई में हिंदी माह का शुभारंभ

भिलाई (विश्व परिवार)। हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता, प्रेम एवं सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी माह का शुभारंभ किया किया। हिंदी माह के अंतर्गत संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं/ कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से निबंध लेखन, स्वरचित कविता लेखन, काव्य सम्मलेन, तात्कालिक भाषण, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर आईआईटी भिलाई के निदेशक महोदय प्रो. राजीव प्रकाश ने कहा कि हिंदी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं भावनात्मक एकता का सशक्त माध्यम है। हिंदी माह का आयोजन संस्थान में हिंदी के प्रति रुचि एवं जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ दैनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी ,राजभाषा प्रकोष्ठ के सदस्य सहित संस्थान के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आईआईटी भिलाई हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। हिंदी माह के आयोजन का उद्देश्य संस्थान में हिंदी के प्रति सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण करना है।

बीरगांव के ट्रांसपोर्ट नगर में कचरा फैलाने पर नगर निगम की कार्रवाई

■ 6,500 रुपये का जुर्माना वसूला

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी श्री कमल नारायण जंघेल एवं स्वच्छता निरीक्षक श्री राजेश सिंह क्षत्रिय के नेतृत्व में टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा एवं गंदगी फैलाने वाले लोगों/प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 6,500 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

नगर निगम अधिकारियों ने लोगों एवं व्यवसायियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठान एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखें तथा कचरा निर्धारित स्थान एवं डस्टबिन में ही डालें। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने वालों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

रेल परिवार से रायपुर मंडल के 13 सदस्य सेवानिवृत्त हुए

■ सम्मलेन कक्ष में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 13 सदस्य अगस्त 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सामान्य सेवानिवृत हुए।

इस समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (श्री बजरंग अग्रवाल), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (श्री राहुल गर्ग) सहायक कार्मिक अधिकारी (महेन्द्र कुमार शर्मा), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी एवं सभी विभागों से संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 13 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 02, इंजीनियरिंग विभाग से 03, परिचालन विभाग से 03, विद्युत् विभाग से 02, वाणिज्य विभाग से 01, मेडिकल 01 एवं कार्मिक विभाग का 01 कर्मचारी शामिल है।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मलेन कक्ष में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 6,88,28,004/- का भुगतान किया गया। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड दिनांक 31/08/2026 को प्रदान किया गया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्वो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी।

पिरदा गांव में जमीन की नहीं होगी अधिग्रहित : अनुज शर्मा

■ आवास मंत्री ओपी चौधरी ने दिया आश्वासन

रायपुर (विश्व परिवार)। आरडीए की कॉलोनी बनाने के लिए चिन्हांकित पिरदा गांव की जमीन का अधिग्रहण सरकार नहीं करेगी। धरसिवां विधायक अनुज शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने वित्त एवं आवास मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की इस मुलाकात में उन्हें स्पष्ट किया गया कि, यदि पिरदा गांव के ग्रामीण नहीं चाहते की उनकी जमीन पर आवासिय प्रोजेक्ट आए तो सरकार की कोई मंशा आवासिय प्रोजेक्ट लाने की नहीं है।

रायपुर विकास प्राधिकरण ने पूर्व नियोजित प्लान के मुताबिक पिरदा गांव का चयन कौशल्या विहार कॉलानी बनाने के लिए किया था, इसकी सूचना प्रकाशित होते ही पिरदा गांव के ग्रामीण और किसान भूमि अधिग्रहण किए जाने को लेकर आशंकित थे, इस संदर्भ ने ग्रामीणों ने ग्राम सभा बुलाकर विधायक अनुज शर्मा की ग्रामीणों की मंशा से अवगत कराया। विधायक अनुज शर्मा ने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर उन्हें बताया कि, ग्रामीण अपनी कृषी भूमि पर खेती कर रहे हैं और ?बीस फ्सिदी लोगों का उस जमीन पर घर है। ग्रामीण अपनी जमीन आरडीए को देने के लिए तैयार नहीं है। ग्रामीणों की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मोबाईल पर चर्चा कर ग्रामीणों का पक्ष सुनने निर्देशित किया। इसी तारतम्य में मंगलवार को अनुज शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मंत्रालय महानदी भवन में आवास मंत्री ओपी चौधरी के कार्यालय में मुलाकात कर ग्रामीणों से चर्चा की। ओपी चौधरी ने कहा कि, विधायक अनुज शर्मा ने उन्हें वास्तुस्थिति और ग्रामीणों की भावनाओं के बारे में उन्हें बताया है। उन्होने कहा कि, यदि ग्रामीण नहीं चाहते कि, उनके गांव में आवासीय प्रोजेक्ट आए तो सरकार ग्रामीणों के साथ खड़ी है। पिरदा गांव की जमीन को आरडीए नहीं लेगी, इस संदर्भ ने उन्होंने आरडीए को निर्देशित किए जाने की बात भी कही।

कुगदा गेट रोड अंडर ब्रिज पर भारी वाहनों का प्रवेश निषेध

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के कुम्हारी-ए केबिन एवं सी-केबिन स्टेशनों के मध्य हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग पर कुगदा गेट किमी 842 पर स्थित रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के एप्रोच हिस्से में कवर्ड शेड निर्माण कार्य किया जाना है। निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा एवं कार्य की सुचारू प्रगति सुनिश्चित करने के लिए 02 सितंबर 2026 से 10 सितंबर 2026 तक भारी वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से परिवर्तित किया जाएगा। इस अवधि में भारी वाहनों को समपार फाटक क्रमांक 429, किमी 840/1-3 (परसदा गेट/कैवल्यधाम) के माध्यम से संचालित किया जाएगा। वर्तमान आरयूबी एप्रोच मार्ग की सड़क चौड़ाई एवं निर्माण स्थल की परिस्थितियों को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। कुगदा गेट से परसदा गेट की दूरी लगभग 2 किलोमीटर है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354